मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 04
शुक्रवार, 11 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भाजपा नेतृत्व और सरकार की उदासीनता सारी हदें पार कर चुके हैं : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 10 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढहने की घटना का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाजी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा है।

अधिकारियों ने बताया कि वडोदरा में बुधवार सुबह लगभग चार दशक पुराने एक पुल का कुछ हिस्सा ढह जाने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, देश में आए दिन दुर्घटनाएँ आम बात हो गई हैं। कभी रेल दुर्घटना, कहीं उद्घाटन के साथ ही पुल में दरार आना। अभी विमान दुर्घटना के हादसे से देश उबर नहीं पाया है कि कल गुजरात से पुल ढहने की खबर आ गई। 13 मासूम जानें चली गई। उन्होंने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, खबरों के अनुसार तीन साल पहले ही पुल हिलने से खतरनाक स्थिति की बात कही गई थी। फिर भी कुछ नहीं किया गया। 2021 से यह गुजरात में पुल गिरने की सातवीं घटना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश में शासन के नाम पर केवल भाषण और विज्ञापनबाजी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं।

खरगे ने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी, और अक्षमता का नतीजा है। उन्होंने कहा, उम्मीद है देश की जनता इसे देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

जो राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति होनी ही है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 10 जुलाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान परिणामोन्मुखी और जन-केंद्रित शिकायत निवारण के महत्व को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को अपने निशाने पर लिया। योगी ने कहा कि राममनोहर लोहिया ने रामायण मेला शुरू किया था पर आज की समाजवादी पार्टी राम भक्तों पर गोली चलवाती है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोहिया के चेले राम को नहीं मानते। जो प्रभु श्री राम का विरोधी है, उसकी तो दुर्गति हमेशा होनी ही होनी है...। भारत का एक ही धर्म है सनातन धर्म।

वहीं, मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन कार्यक्रम की, जहां उन्होंने लगभग 200 लोगों से मुलाकात की और उनकी शिकायतें सुनीं। महिलाओं सहित कई लोगों ने भूमि विवाद और अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दे उठाए। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और अधिकारियों को त्वरित व सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाधान शीघ्र और प्रभावी होने चाहिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता चाहने वालों को, आदित्यनाथ ने आश्वासन दिया कि धन की कमी किसी की भी चिकित्सा सेवा में बाधा नहीं बनेगी। उन्होंने प्रशासन को संबंधित रोगियों के लिए लागत अनुमान तैयार करने और उसे तुरंत सरकार को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि बिना किसी देरी के धनराशि जारी की जा सके।

मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है और सभी की समस्या का समाधान हर हाल में किया जाएगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं और उनकी शिकायत थी कि उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इन शिकायतों पर अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे।

बिहार वोटर वेरिफिकेशन पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 10 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के समय को लेकर गंभीर चिंता जताई। इस कदम के समय पर सवाल उठाते हुए, कोर्ट ने व्यावहारिक और कानूनी आधारों का हवाला देते हुए इस प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव से कुछ महीने पहले ही संशोधन शुरू करने के चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाया और कहा कि यह कदम ह्लोकतंत्र और वोट देने की शक्ति की जड़ पर हमला करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम आपको रोक नहीं रहे हैं. हम आपसे कानून के तहत एक्ट करने के लिए कह रहे हैं। कोर्ट अब इस मामले पर 28 जुलाई को सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति धूलिया ने चुनाव के इतने करीब मतदाता सूची में संशोधन के संभावित प्रभावों की ओर इशारा करते हुए कहा, यदि आपको बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के तहत नागरिकता की जांच करनी है, तो आपको पहले ही कार्रवाई करनी चाहिए थी> इसमें थोड़ी देर हो गई है। हालाँकि, न्यायालय ने याचिकाकताओं की इस दलील को खारिज कर दिया कि चुनाव आयोग के पास इस तरह का संशोधन करने का अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन करना चुनाव आयोग की संवैधानिक ज़िम्मेदारी है और इस बात पर जोर दिया कि बिहार में पिछली बार ऐसा 2003 में किया गया था।

गुरु की महिमा से गूंज उठी काशी : मठों-मंदिरों में श्रद्धा का उमड़ा सैलाब

◆ श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में नवाया शीश, भजन-पूजन और भंडारे से भक्ति की बही गंगा, 151 मुस्लिमों ने भी ली गुरु दीक्षा

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा की अनुपम छटा देखने को मिली। सूर्योदय से पहले ही भक्तगण अपने-अपने गुरुजनों की शरण में पहुंचना आरंभ कर चुके थे। शहर से लेकर गांव-देहात तक मठ, मंदिर, आश्रम और गुरुकुलों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने गुरुओं की पादुका पूजन, आरती, माल्यार्पण, तिलक व दक्षिणा अर्पण कर जीवन के पथ पर ज्ञान और विवेक का आशीर्वाद लिया।

समाज में आदि काल से ही गुरु की महत्ता रही है। तब से ही हम गुरु की पूजा करते चले आ रहे है। गुरु के बिना ज्ञान पाना संभव नहीं है। इस पर्व पर विभिन्न संस्थाओं ने अपने- अपने तरीके से गुरुओं को सम्मान दिया। किसी ने गुरु को सम्मानित कर अपने धर्म का पालन किया, तो किसी ने पौधा लगाया। शहर से लेकर देहात तक पूरे दिन पूर्णिमा की धूम रही। फिरहाल, धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में पूर्णिमा का दिन गुरुजनों, संतो व स्वामियों के नाम रहा।

गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुवार को शहर से लेकर देहात तक भक्ति और श्रद्धा की लहर दौड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने गुरुओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। देवालयों, विद्यालयों से लेकर संत आश्रमों तक शिष्य अपने गुरुओं के पांव पखार उनकी पूजा कर आरती उतारी।

जगह-जगह गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित गीत-संगीत के अलावा ह्यगुरु देवेभ्यो नमःह्य ह्यतस्मै श्री गुरुवे नमःह्य आदि मंत्रोच्चार व जयकारों के बीच जाने-माने संतों व आचार्यों के आश्रमों में गुरु पूजा की धूम रही। पूजा, वंदना, सम्मान और दीक्षा संस्कार का सिलसिला शाम तक चलता रहा। इसके बाद शीश नवाकर आशीर्वाद लिया।

गढ़वाघाट स्थित संतमत पीठ पर गुरु स्वामी सरनानंद जी महाराज के दर्शन हेतु सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। पूरा आश्रम क्षेत्र भक्ति, अनुशासन और अध्यात्म से सराबोर रहा। भक्तों ने उनके श्रीचरणों में वंदन कर पादुका पूजन किया। भजनों की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार से आश्रम गूंज उठा।

शिष्यों ने अपने सद्गुरु से ज्ञान और धर्म का आशीर्वाद लिया। स्वामी सरनानंद ने अपने प्रवचन में कहा, ह्लगुरु वो भगवंत प्रसाद हैं, जो मिल जाएं तो जीवन धन्य हो जाए। गुरु ही जागरण और आचरण के माध्यम बनते हैं।ह्ल मणिकर्णिकाघाट स्थिय सतुआ बाबा आश्रम में सतुआबाबा रणछोड़ दास व षष्ठपीठाधीश्वर यमुनाचार्य महाराज की चरण पादुका पूजन के बाद संतोष दास महाराज का भक्तों ने दर्शन किया।

बनारस में विद्युत कर्मियों का निजीकरण के खिलाफ एकजुट विरोध

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर गुरुवार को बनारस के समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता कार्यालयों पर एक साथ निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। शाम 5 बजे कार्यालय अवकाश के पश्चात बिजलीकर्मियों ने टैरिफ वृद्धि और निजीकरण की प्रक्रिया के विरुद्ध एकजुटता दिखाई। झूठे आंकड़े, धमकी और दमन से निजीकरण की कोशिश कामयाब नहीं होने दी जाएगी, यह स्पष्ट संदेश संघर्ष समिति की ओर से दिया गया। समिति ने घोषणा की है कि 11 जुलाई को वाराणसी में नियामक आयोग की सार्वजनिक सुनवाई के दौरान निजीकरण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

संघर्ष समिति का आरोप है कि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के टैरिफ में 45 फीसदी तक वृद्धि का प्रस्ताव पहले ही नियामक आयोग को भेजा जा चुका है। यह इशारा है कि निजीकरण के बाद बिजली दरों में बेतहाशा वृद्धि निश्चित है। समिति के मुताबिक निगम को घाटे में दिखाने की जो कवायद की जा रही है, वह सरकारी सब्सिडी को कैश गैप में शामिल कर एक कृत्रिम घाटा दशार्ने का प्रयास है। संघर्ष समिति ने बताया कि निजीकरण विरोधी आंदोलन को कुचलने के लिए : हजारों बिजलीकर्मियों का वेतन रोका गया है, कर्मचारियों को दूर-दराज क्षेत्रों में ट्रांसफर किया गया है, चेतावनी पत्र व विजिलेंस जांच के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है, 3 पदाधिकारियों पर थ्त् दर्ज की गई है और 3 और पर एफआईआर की तैयारी है। फिर भी समिति ने दो टूक कहा है कि हम डरने वाले नहीं, संघर्ष जारी रहेगा जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया जाता।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता कार्यालय, अधीक्षण अभियंता कार्यालय सहित सभी अधिशासी अभियंता कार्यालयों पर विरोध सभाएं हुईं। इन सभाओं को इंजीनियर मायाशंकर तिवारी, नीरज बिंद, दीपक गुप्ता, हेमंत श्रीवास्तव, राजेश सिंह, रोहित कुमार, रमेश यादव, जितेंद्र कुमार, धनपाल सिंह, उमेश यादव, अंकुर पांडेय, अमित कुमार, कृष्णमोहन, दयानंद आदि ने संबोधित किया. बता दें, इस मुद्दे को लेकर राज्य भर में बिजलीकर्मी लगातार 225वें दिन भी आंदोलित हैं। यह आंदोलन अब सिर्फ बिजलीकर्मियों का नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ा एक बड़ा सवाल बन चुका है।

ईडी ने छांगुर बाबा पर कसा शिंकजा, 100 करोड़ से अधिक की संपत्ति की होगी जांच

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण रैकेट के कथित मास्टरमाइंड छांगुर बाबा पिछले हफ़्ते आतंकवाद निरोधी दस्ते द्वारा गिरफ़्तार किए जाने के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ़्तार में आ गया है। ईडी ने छांगुर बाबा (असली नाम जलालुद्दीन) और उसके करीबी सहयोगियों के खिलाफ अपनी जाँच तेज कर दी है, ताकि कथित तौर पर संदिग्ध तरीकों से जुटाई गई 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति की जाँच की जा सके। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 9 जुलाई को जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जिस पर धर्मांतरण, विदेशी धन के दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा व सांप्रदायिक सद्भाव के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों का आरोप है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के अपराधों की जाँच शुरू की है और जानकारी जुटाई है कि उसके पास 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये की धनराशि है। जो मुख्य रूप से मध्य पूर्व से प्राप्त हुई है।प्रवर्तन निदेशालय ने आज, जाँच के दौरान, एटीएस लखनऊ के पुलिस अधीक्षक को एक पत्र भेजकर छांगुर बाबा के खिलाफ 16 नवंबर, 2024 को दर्ज की गई प्राथमिकी की प्रमाणित प्रति, उनसे जुड़ी संस्थाओं का विवरण, उनके और उनके सहयोगियों से संबंधित बैंक खातों का विवरण और चल-अचल संपत्तियों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रपति 14 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा आएंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 जुलाई को दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा आएंगी। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुवनेश्वर और कटक स्थित रावेनशॉ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में शामिल होंगी। अधिकारियों के मुताबिक, मुर्मू रावेनशॉ गर्ल्स हाई स्कूल में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखेंगी, आदिकवि सरला दास के 600वीं जयंती समारोह में हिस्सा लेने के लिए कटक के सरला भवन जाएंगी और कलिंग रत्न पुरस्कार 2024 के विजेताओं को सम्मानित भी करेंगी।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

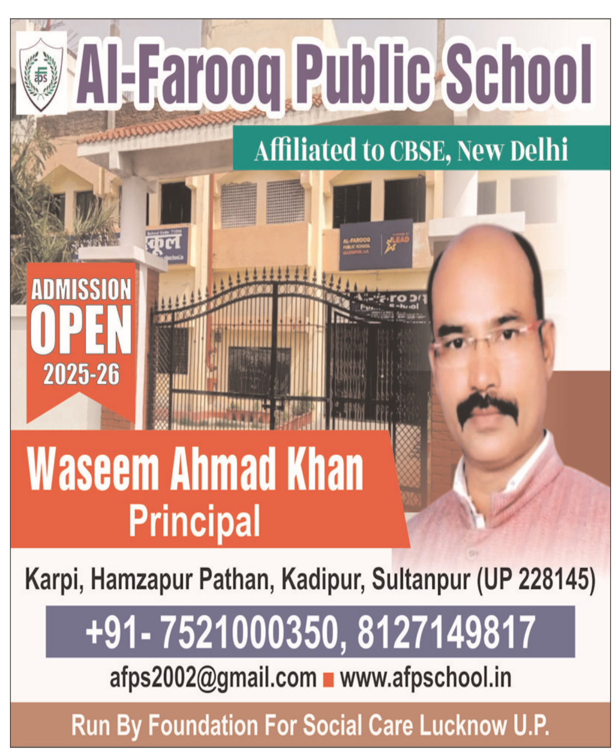

आतंकवाद में डिजिटल तकनीकों का बढ़ता उपयोग चिन्ताजनक

-ललित गर्ग

टेरर फंडिंग पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की नई रिपोर्ट में आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताई गई है। इस रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के समक्ष एक नई और गहन चुनौती की ओर संकेत करते हुए आतंकवादी गतिविधियों में डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रयोग को गहन चिन्ताजनक बताया है। रिपोर्ट में ई-कॉमर्स, ऑनलाइन भुगतान, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकरेंसी और डार्कनेट जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और संचालन के बढ़ते खतरे पर न केवल प्रकाश डाला गया है बल्कि गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट ने आतंकवाद के एक अलग ही पहलू की ओर ध्यान खींचा है। इसमें बताया गया है कि टेक्नॉलजी तक आतंकी संगठनों की आसान पहुंच उन्हें और खतरनाक बना रही है। इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर नई रणनीति एवं नियंत्रण नीति की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों में पलने-बढ़ने वाले आतंकी संगठन इन तकनीकों का उपयोग कर न केवल फंडिंग जुटा रहे हैं, बल्कि गोपनीयता और पहुँच के नए मार्ग भी तलाश रहे हैं। इसके अलावा, आतंकवादी संगठन अब विकेंद्रीकृत मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जैसेकि अल-कायदा क्षेत्रीय इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर धन जुटाना और संचालन करना। भारत ने समय-समय पर पाकिस्तान पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद को बेनकाब करते हुए दुनिया से मिल रहे आर्थिक सहयोग पर चिन्ता जताई और कठोर कार्रवाई की मांग की, इस रिपोर्ट को भारत के रुख का समर्थन करने वाले एक महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

एफएटीएफ के मुताबिक, 2019 में पुलवामा और 2022 में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हुए आतंकी हमलों के लिए ऑनलाइन प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। पुलवामा में आतंकियों ने आईईडी का इस्तेमाल किया था और इसे बनाने के लिए एल्युमिनियम पाउडर एमेजन से खरीदा गया था। गोरखपुर में हुए हमले में पैसों के लेनदेन में ऑनलाइन जरिया अपनाया गया। गोरखपुर वाले केस में आतंकी विचारधारा से प्रभावित शख्स ने इंटरनैशनल थर्ड पार्टी ट्रांजैक्शन और वीपीएन सर्विस का उपयोग किया था। इस तरह से उसने आईएसआईएल के समर्थन में विदेश में धन भेजा था और उसे भी बाहर से आर्थिक मदद मिली थी। वीपीएन एक डिजिटल तकनीक है जो इंटरनेट उपयोगकर्ता की लोकेशन और पहचान को छुपाती है। जब कोई व्यक्ति वीपीएन का उपयोग करता है, तो उसका इंटरनेट ट्रैफिक एक एन्क्रिप्टेड सुरंग के माध्यम से किसी अन्य देश के सर्वर से होकर गुजरता है। इससे उसकी वास्तविक पहचान छिप जाती है और वह सेंसरशिप, ट्रैकिंग और जियो-रिस्ट्रिक्शन से बच सकता है।

2024 तक दुनिया में 150 करोड़ से अधिक वीपीएन यूजर्स हैं। इनमें से बड़ी संख्या एशिया और मध्य पूर्व से है, जहां सेंसरशिप या निगरानी से बचने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। भारत में 12 से 14 करोड़ वीपीएन उपयोगकर्ता हैं। भारत वीपीएन यूजर्स की संख्या में दुनिया के शीर्ष 3 देशों में शामिल है। वीपीएन का उपयोग कर आतंकी सोशल मीडिया और गुप्त चैनलों के जरिए युवाओं को बरगलाने और भर्ती करने का काम करते हैं। कुछ आतंकवादी समूह वीपीएन नेटवर्क का प्रयोग कर सरकारी वेबसाइटों, रक्षा प्रतिष्ठानों और बैंकिंग सिस्टम पर साइबर हमला करते हैं। दुनिया की एक तिहाई आबादी ऑनलाइन शॉपिंग करती है। इस साल ग्लोबल ई-कॉमर्स मार्केट के 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। भारत इस लिस्ट में फिलहाल सातवें नंबर पर है। लेकिन सवाल यह है कि इस डेटा के बीच अगर कुछ संदिग्ध लोग कुछ हजार डॉलर की खरीददारी करते हैं, जिसका इस्तेमाल आगे जाकर किसी आतंकी हमले में होता है, तो उसे चिह्नित कैसे किया जाए? एफएटीएफ ने कुछ दिनों पहले पहलगाम को लेकर कहा था कि इतना बड़ा आतंकी हमला बाहरी आर्थिक मदद के बिना संभव नहीं हो सकता। उसकी हालिया रिपोर्ट इसी बात को और पुष्ट कर देती है। आतंकियों ने अपने काम का तरीका बदल लिया है। वे इंटरनेट की दुनिया की ओट ले रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है।

एफएटीएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी समूहों ने अब पारंपरिक धन स्रोतों के साथ-साथ क्रिप्टोकरेंसी जैसे डिजिटल वित्तीय माध्यमों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया है। ये माध्यम उन्हें सरकार की नजरों से बचाते हुए सीमाओं के पार फंडिंग जुटाने की सहूलियत देते हैं। साथ ही, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स, फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स, और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर वे अपने नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर भले हो गया हो, लेकिन उसके खिलाफ लगे आरोपों में कोई कमी नहीं आई है। अनेक ग्लोबल इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स और एफएटीएफ ऑब्जर्वेशन्स इस बात की पुष्टि करती हैं कि पाकिस्तान में आतंकी गुटों को डिजिटल इकोसिस्टम का खुले तौर पर उपयोग करने दिया जा रहा है, या कभी-कभी सरकार की मौन सहमति से। उदाहरण के रूप में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल टोकन के जरिए फंड जुटाने की नई तरकीबें अपनाई हैं। कई मामलों में आतंकी फंडिंग के लिए, फर्जी चैरिटेबल ट्रस्ट और सामाजिक मीडिया अभियानों का सहारा लिया गया है। गजवा-ए-हिंद जैसे डिजिटल प्रोपेगेंडा प्लेटफार्म्स पाकिस्तानी जमीन से संचालित होकर भारत में कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में लगे हैं।

भारत के विरुद्ध हाइब्रिड वारफेयर और साइबर जिहाद की रणनीति पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की नीति का हिस्सा बन चुकी है। एफएटीएफ की रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि दक्षिण एशिया में भारत सबसे अधिक प्रभावित देश है, जहां डिजिटल माध्यम से न केवल फंडिंग, बल्कि ब्रेनवॉशिंग और भर्ती का कार्य भी तेजी से हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित किया जाता है। उत्तर पूर्व में उग्रवादी संगठनों को डिजिटल भुगतान और चैनलों के माध्यम से सहायता मिलती रही है। एफएटीएफ ने पाकिस्तान समेत उन सभी देशों से अपेक्षा की है कि वे डिजिटल वित्तीय निगरानी तंत्र को मजबूत करें, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन पर नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। आतंकी संगठनों के ऑनलाइन अस्तित्व को समाप्त करने के लिए तकनीकी टूल्स विकसित करें। एफएटीएफ का चेतावनी के स्वरों में यह भी कहा गया है कि यदि आतंक के गढ़ एवं आतंकवाद को पोषित करने वाले इन देशों ने इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया तो उन्हें हाई रिस्क जॉन की सूची में डाला जा सकता है। भारत को इस डिजिटल आतंकी खतरे से निपटने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से एक संयुक्त रणनीति बनानी चाहिए-क्रिप्टो ट्रांजेक्शन की रियल-टाइम निगरानी, साइबर आतंकवाद पर विशेष फोर्स का गठन, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से आतंकी कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए मजबूत कानून, डार्क वेब और फेक डोनेशन चैनलों की सतत निगरानी आदि कदम उठाने चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने जहां मानव जीवन को सरल और तेज किया है, वहीं इसका दुरुपयोग करके आतंकवाद को नया चेहरा देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। एफएटीएफ की चेतावनी को गंभीरता से लेने और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की जरूरत है। विशेष रूप से पाकिस्तान जैसे देशों पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाना होगा ताकि वे अपनी धरती पर पनप रहे आतंकवाद एवं डिजिटल आतंकवाद के अड्डों को समाप्त करें। तभी एक सुरक्षित डिजिटल विश्व और शांतिपूर्ण वैश्विक समाज की कल्पना की जा सकती है। एफएटीएफ रिपोर्ट विश्लेषण करती है कि आतंकवादियों ने अपने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए वैश्विक दर्शकों से धन जुटाने के लिए सोशल मीडिया पर धन उगाहने वाले प्लेटफॉर्म और क्राउडफंडिंग माध्यमों से आतंकवाद के वित्तपोषण प्राप्त किया है। आतंकवादी संगठन पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ डिजिटल तरीकों से भी धन जुटाकर आतंकवाद को अंजाम दे रहे हैं। भारत ने एफएटीएफ रिपोर्ट को अपने रुख के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई की मांग की गई है। यह रिपोर्ट आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह रिपोर्ट आतंकवाद के वित्तपोषण और संचालन में शामिल देशों और व्यक्तियों पर दबाव बढ़ाने और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायक हो सकती है।

क्या अरुणाचल प्रदेश की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा

अशोक भाटिया

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू बार बार दोहरा रहे है कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'पानी का बम' होगा, जो अस्तित्व के लिए खतरा होगा तथा सैन्य खतरे के अलावा किसी भी अन्य मुद्दे से बड़ा मुद्दा होगा।मंगलवार को एक साक्षात्कार में खांडू ने कहा कि ब्रह्मपुत्र का तिब्बती नाम यारलुंग त्सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि चीन अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षरकर्ता नहीं है जो उसे अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी।वे आगे कहते है कि दरअसल मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे क्या कर सकते हैं।चीन से सैन्य खतरे को अलग रखते हुए, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है। मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है। यह काफी गंभीर मुद्दा है क्योंकि चीन इसका इस्तेमाल एक तरह के 'वॉटर बम' के रूप में भी कर सकता है।

गौरतलब है कि यारलुंग सांगपो बांध के नाम से जानी जाने वाली इस बांध परियोजना की घोषणा चीन के तत्कालीन प्रधानमंत्री ली केकियांग द्वारा 2021 में सीमा क्षेत्र का दौरा करने के बाद की गई थी।खबरों के अनुसार, चीन ने 137 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाली इस पंचवर्षीय परियोजना के निर्माण को 2024 में मंजूरी दी थी । इससे 60,000 मेगावाट बिजली उत्पादन होने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध बन जाएगा। खांडू का कहना है कि अगर चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर किए होते, तो कोई समस्या नहीं होती क्योंकि जलीय जीवन के लिए बेसिन के निचले हिस्से में एक निश्चित मात्रा में पानी छोड़ना अनिवार्य होता। उन्होंने कहा कि असल में, अगर चीन अंतरराष्ट्रीय जल-बंटवारे समझौतों पर हस्ताक्षर करता, तो यह परियोजना भारत के लिए वरदान साबित हो सकती थी।

इससे अरुणाचल प्रदेश, असम और बांग्लादेश में, जहां ब्रह्मपुत्र नदी बहती है, मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ को रोका जा सकता था। लेकिन चीन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, और यही समस्या है... मान लीजिए कि बांध बन गया और उन्होंने अचानक पानी छोड़ दिया, तो हमारा पूरा सियांग क्षेत्र नष्ट हो जाएगा। खास तौर पर, आदि जनजाति और उनके जैसे अन्य समूहों को... अपनी सारी संपत्ति, जमीन और विशेष रूप से मानव जीवन को विनाशकारी प्रभावों का सामना करते देखना पड़ेगा

मुख्यमंत्री कहना है कि इसी वजह से भारत सरकार के साथ विचार-विमर्श के बाद अरुणाचल प्रदेश सरकार ने सियांग ऊपरी बहुउद्देशीय परियोजना नामक एक परियोजना की परिकल्पना की है, जो रक्षा तंत्र के रूप में काम करेगी और जल सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि चीन या तो अपनी तरफ काम शुरू करने वाला है या शुरू कर चुका है। लेकिन वे कोई जानकारी साझा नहीं करते। अगर बांध का निर्माण पूरा हो जाता है, तो आगे चलकर हमारी सियांग और ब्रह्मपुत्र नदियों में जल प्रवाह में काफी कमी आ सकती है।भारत की जल सुरक्षा के लिए, अगर सरकार अपनी परियोजना को योजना के अनुसार पूरा कर पाती है, तो वह अपने बांध से पानी की जरूरतें पूरी कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में अगर चीन पानी छोड़ता है, तो निश्चित रूप से बाढ़ आएगी, लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है। खांडू ने कहा कि इसी वजह से राज्य सरकार स्थानीय आदि जनजातियों और इलाके के अन्य लोगों के साथ बातचीत कर रही है। मुख्यमंत्री ' इस मुद्दे पर और जागरूकता बढ़ाने के लिए जल्द ही एक बैठक आयोजित करने जा रहे है . सरकार केवल विरोध दर्ज करा कर हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठ सकती। उन्होंने 'चीन को समझाने की जरुरत है ।चूंकि हम चीन को वजह नहीं समझा सकते, इसलिए बेहतर है कि हम अपने रक्षा तंत्र और तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करें क्योंकि चीन का बांध हिमालय पर्वतमाला के एक विशाल खड्ड पर बनाया जाएगा, जहां से नदी अरुणाचल प्रदेश में प्रवाहित होने के लिए एक 'यूटर्न' लेती है।

भारत के विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का यह कदम एक चेतावनी है। भारत को भी हिमालय की नदियों पर जल ढांचे के निर्माण को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानना चाहिए। भारत अरुणाचल प्रदेश में एक बहुउद्देशीय जलाशय बनाने की योजना बना रहा है। यह जलाशय चीन के बांध के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा।चीन ने 2020 में 14वीं पंचवर्षीय योजना में इस मेगा डैम का प्रस्ताव रखा था। हांगकांग के साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, यह प्रोजेक्ट ऐसे स्थान पर है जहां भूकंप आ सकते हैं। इससे भारत के निचले इलाकों के लिए 'वाटर बम' का खतरा बना रहेगा ।

कैनेडियन एनजीओ प्रोब इंटरनेशनल की 2012 की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि पश्चिमी चीन में बन रहे 130 से ज्यादा बड़े बांध भूकंप और सुनामी का कारण बन सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 98.6% बांध भूकंपीय क्षेत्रों में बनाए जा रहे हैं। चीन ने 2015 में 1.5 बिलियन डॉलर की जम हाइड्रोपावर स्टेशन को चालू कर दिया है, जो तिब्बत का अब तक का सबसे बड़ा है।भारत हमेशा से चीन के बांध निर्माण गतिविधियों को लेकर सशंय में रहा है। चीन अपने बांध निर्माण के बारे में स्पष्ट नहीं रहा है। वह ऐसे प्रोडेक्ट के बारे में जानकारी देने से बचता रहा है। साल 2010 में, कई वर्षों के इनकार के बाद चीन ने आखिरकार स्वीकार किया कि वह ब्रह्मपुत्र पर जंगमु बांध बना रहा है।

हालांकि चीन ने पानी के मोड़, जमाखोरी और रिलीज पर भारत की चिंताओं को खारिज कर दिया है, लेकिन यहां के अधिकारियों ने आश्वासनों को संदेह की दृष्टि से लिया है। 2014 में, तत्कालीन मोदी सरकार ने जल संसाधन मंत्रालय से यह सत्यापित करने के लिए कहा था कि क्या ब्रह्मपुत्र पर बनाए गए बांध वास्तव में रन-ऑफ-रिवर (जहां पानी के उपयोग के बाद वापस छोड़ दिया जाता है) या स्टोरेज बांध हैं।मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (टढक्ळअ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन द्वारा बनाए गए बांध इतने बड़े हैं कि उन्हें स्टोरेज बांध में बदला जा सकता है, जिससे यह खाद्य नियंत्रण या सिंचाई के उद्देश्य से जल संसाधनों में हेरफेर कर सकेगा। ऐसे में चीन संभावित रूप से शुष्क मौसम के दौरान भारत को पानी से वंचित कर सकता है।

भारत मॉनसून के दौरान पानी छोड़ने को लेकर भी आशंकित है, जो पहले से ही बाढ़ वाले ब्रह्मपुत्र में पानी भर सकता है। जैसे कि असम में हर साल भारी बाढ़ आती है। राज्य ने केंद्र के साथ चीन की बांध निर्माण गतिविधियों के बारे में चिंता जताई है।पहले भी अज्ञात चीनी अपस्ट्रीम गतिविधियों ने अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में अचानक बाढ़ ला दी है और हाल ही में सियांग के पानी ने भारत में प्रवेश करते ही गंदा और भूरा कर दिया। असम सरकार ने 2017 में कहा था कि सियांग नदी (जैसा कि ब्रह्मपुत्र को अरुणाचल में जाना जाता है) प्रदूषकों से काली हो रही थी, और तेजपुर में नदी के पानी के नमूनों से पता चला कि पानी में बड़ी मात्रा में खनिज गुण थे।

यहां तक कि एक्सपर्ट्स ने यह भी बताया कि बांध निर्माण से नदी अपनी गाद खो सकती है और कृषि उत्पादकता में कमी आ सकती है। वास्तव में, चीन का एकतरफावाद ऐसा है कि एक बड़ी बांध परियोजना को पूरा करने के लिए उसने 2016 में ब्रह्मपुत्र की एक सहायक नदी ज़ियाबुकू के प्रवाह को रोक दिया और फिर ऐसी ही एक और सहायक नदी, ल्हासा नदी को कृत्रिम झीलों की एक श्रृंखला में बांधना शुरू कर दिया।बताया यह भी जाता है कि भारत ने चीन की ओर से प्रस्तावित बांध के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में एक जलाशय बनाने की योजना शुरू की। लेकिन इस परियोजना के लिए सर्वे अभी शुरू नहीं हुआ है, स्थानीय विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। राज्य के सियांग और ऊपरी सियांग जिलों के लोगों को बड़े पैमाने पर विस्थापन के साथ-साथ प्रस्तावित 11,000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना से प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों का डर है। यह समझा जा सकता है कि ये बांध, नहरें और सिंचाई प्रणालियां पानी को एक राजनीतिक हथियार में बदल सकते हैं जिसका इस्तेमाल युद्ध में, या शांति के दौरान, एक सह-नदीय राज्य पर प्रभाव के लिए किया जा सकता है। शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र दुनिया की सबसे लंबी नदियों में से एक तिब्बत (चीन) से अरुणाचल प्रदेश में बहती है। चीन एक 'ऊपरी नदी तटीय' राज्य की तरह काम करता है जो ऊपर की ओर जल संसाधनों पर नियंत्रण रखता है और नीचे के देशों (इस मामले में भारत और बांग्लादेश) की चिंताओं को नजरअंदाज करता है।

विपक्ष की सियासत का अखाड़ा बनती अदालतें

-अजय कुमार

भारत का सर्वोच्च न्यायालय, जिसे संविधान का रक्षक और न्याय का अंतिम गढ़ माना जाता है, अक्सर विपक्षी दलों की याचिकाओं को गंभीरता से लेता है। यह सवाल बार-बार उठता है कि आखिर क्यों अदालत ऐसी याचिकाओं को इतना महत्व देती है, जिनमें कई बार सियासत की बू आती है। जनता द्वारा चुनावों में ठुकराए गए नेता और राजनीतिक दल अदालतों के जरिए अपनी खोई हुई साख को पुनर्जनन देने की कोशिश करते हैं। यह एक ऐसा जटिल मसला है, जिसमें न्याय, लोकतंत्र, और राजनीति का त्रिकोण उभरकर सामने आता है। सर्वोच्च न्यायालय का मूल उद्देश्य संविधान की रक्षा करना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुनिश्चित करना है। संविधान का अनुच्छेद 32 अदालत को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के मामलों में रिट याचिकाओं के जरिए हस्तक्षेप करने की शक्ति देता है। इसके अलावा, जनहित याचिकाओं (पीआईएल) ने अदालत को एक व्यापक मंच प्रदान किया है, जहां न केवल व्यक्ति, बल्कि समूह या संगठन भी सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को उठा सकते हैं। विपक्षी दल, जो अक्सर सत्ता से बाहर होते हैं, इन प्रावधानों का उपयोग करके अपनी बात को जनता और सरकार तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं। लेकिन क्या यह सिर्फ सियासत है, या इसके पीछे कोई गहरा लोकतांत्रिक मकसद भी छिपा है?

विपक्षी दलों की याचिकाएं कई बार उन मुद्दों पर केंद्रित होती हैं, जो जनता के व्यापक हित से जुड़े होते हैं। उदाहरण के लिए, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, सरकारी नीतियों में जवाबदेही, या मौलिक अधिकारों का उल्लंघन जैसे विषयों पर याचिकाएं दायर की जाती हैं। ये याचिकाएं भले ही राजनीति से प्रेरित दिखें, लेकिन कई बार ये सरकार की जवाबदेही को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मिसाल के तौर पर, सर्वोच्च न्यायालय ने हाल के वर्षों में कई ऐसे मामलों में हस्तक्षेप किया है, जहां विपक्षी दलों ने चुनावी बांड योजना, मतदाता सूची में गड़बड़ी, या सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को उठाया। इनमें से कुछ याचिकाओं ने सरकार को नीतिगत बदलाव करने के लिए मजबूर किया, जिससे लोकतंत्र को मजबूती मिली।

हालांकि, यह भी सच है कि कई बार विपक्षी दल ऐसी याचिकाओं का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक छवि को चमकाने के लिए करते हैं। जनता द्वारा चुनावों में हारने के बाद ये दल अदालतों को एक मंच के रूप में देखते हैं, जहां वे अपनी प्रासंगिकता साबित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कोई विपक्षी दल किसी नीति के खिलाफ याचिका दायर करता है और सर्वोच्च न्यायालय उस पर सुनवाई करता है, तो यह दल मीडिया और जनता के बीच यह संदेश देने में सफल हो जाता है कि उनकी बात में दम है। भले ही याचिका खारिज हो जाए, लेकिन सुनवाई की प्रक्रिया ही उनके लिए एक नैतिक जीत बन जाती है। यह एक तरह से सियासत का नया अखाड़ा बन गया है, जहां अदालतें अनजाने में राजनीतिक दलों के लिए एक मंच प्रदान कर देती हैं।

सर्वोच्च न्यायालय का रुख भी इस मामले में विचारणीय है। अदालत का यह दायित्व है कि वह हर उस याचिका पर विचार करें, जिसमें संवैधानिक या सार्वजनिक महत्व का प्रश्न उठाया गया हो। कई बार ऐसी याचिकाएं, जो सतह पर सियासी लगती हैं, वास्तव में संवैधानिक सिद्धांतों या कानूनी प्रक्रियाओं से जुड़ी होती हैं। उदाहरण के लिए, 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीति के अपराधीकरण पर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें राजनीतिक दलों को अपने प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया। यह आदेश एक विपक्षी दल की याचिका के आधार पर आया था, लेकिन इसका प्रभाव पूरे राजनीतिक तंत्र पर पड़ा। ऐसे में, यह कहना गलत होगा कि हर याचिका सिर्फ सियासत से प्रेरित होती है।

दूसरी ओर, यह भी देखा गया है कि कुछ याचिकाएं केवल प्रचार के लिए दायर की जाती हैं। ऐसी याचिकाएं, जिनमें कोई ठोस कानूनी आधार नहीं होता, अदालत का समय और संसाधन बर्बाद करती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार ऐसी याचिकाओं को खारिज करते हुए याचिकाकताओं पर जुमार्ना भी लगाया है। फिर भी, अदालत की उदारता और पीआईएल की सुगम प्रक्रिया के चलते ऐसी याचिकाओं की बाढ़ नहीं रुकती। यह एक दोधारी तलवार है। एक ओर अदालत का दरवाजा हर नागरिक के लिए खुला रखना जरूरी है, ताकि वास्तविक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई जा सके; दूसरी ओर, इस प्रक्रिया का दुरुपयोग सियासी मकसदों के लिए हो रहा है।

विपक्षी दलों के लिए अदालतें एक तरह से वैकल्पिक मंच बन गई हैं, जहां वे सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते हैं। खासकर तब, जब संसद में उनकी आवाज दब रही हो या जनता का समर्थन कम हो। लेकिन यह प्रक्रिया हमेशा नकारात्मक नहीं होती। कई बार ऐसी याचिकाओं ने सरकार को जवाबदेह बनाया है। मिसाल के तौर पर, पर्यावरण, शिक्षा, या स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर विपक्षी दलों की याचिकाओं ने नीतिगत बदलावों को प्रेरित किया है। फिर भी, यह सवाल बना रहता है कि क्या अदालतों को इतनी आसानी से सियासी खेल का हिस्सा बनने देना चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका न केवल कानून की व्याख्या करना है, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को बनाए रखना भी है। अगर अदालत हर याचिका को खारिज करने लगे, तो यह संवैधानिक अधिकारों के हनन का रास्ता खोल सकता है। लेकिन अगर वह हर याचिका को गंभीरता से लेती रहे, तो सियासी दलों को अपनी राजनीति चमकाने का एक आसान रास्ता मिल जाता है। इस स्थिति में अदालत को एक संतुलन बनाना होगा। शायद याचिकाओं की जांच के लिए और सख्त मानदंड तय करने की जरूरत है, ताकि केवल वही मामले सुनवाई के लिए स्वीकार हों, जो वास्तव में सार्वजनिक हित से जुड़े हों। यह कहना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय की उदारता और उसका हर आवाज को सुनने का रवैया ही उसे लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बनाता है। लेकिन इस उदारता का दुरुपयोग रोकने के लिए भी कदम उठाने होंगे। विपक्षी दलों की याचिकाएं भले ही सियासत से प्रेरित हों, लेकिन कई बार यही याचिकाएं लोकतंत्र को मजबूत करने का काम करती हैं। यह एक ऐसा विरोधाभास है, जो भारत के लोकतंत्र और न्यायिक व्यवस्था को और भी जटिल और रोचक बनाता है।

कांवड़ यात्रा : शिवत्व की राह पर आस्था का सैलाब

-संजय सक्सेना

कांवड़, शिवत्व की पहचान है. श्रावण मास और कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की वह चेतना है, जिसमें केवल भक्ति ही नहीं, जीवन के गूढ़ तत्व समाहित हैं। यह केवल तीर्थ नहीं, बल्कि कर्म, तप और श्रद्धा का महामार्ग है। यह वह सामाजिक ऊर्जा है जो पूरे उत्तर भारत को एक धागे में पिरो देती है। कांवड़ केवल यात्रा नहीं, शिव के प्रति समर्पण की वह अग्नि है, जो हर कांवरिये के भीतर जलती है। यह वह जल है, जो केवल शिवलिंग पर नहीं चढ़ता, बल्कि पूरे वातावरण को पुण्य और पवित्रता से भर देता है। आज जब दुनिया भौतिकता की ओर भाग रही है, कांवड़ यात्रा हमें अध्यात्म की ओर लौटने का निमंत्रण देती है। और यही इसकी सबसे बड़ी सार्थकता है

-सुरेश गांधी

सावन के आते ही उत्तर भारत की फिजाओं में 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' की गूंज सुनाई देने लगती है। शिवभक्तों की केसरिया टोलियां नदियों, घाटों और सड़कों पर दिखाई देने लगती हैं, जिनके कंधों पर टंगी होती है—कांवड़। यह केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा है जो अध्यात्म, तपस्या, भक्ति, लोकचेतना और अनुशासन का अद्वितीय संगम है। कांवड़ यात्रा न केवल शिव की आराधना का उत्सव है, बल्कि वह जनसाधारण के जीवन में जुड़ा वह सांस्कृतिक पर्व बन चुका है, जो समाज को संयम, संकल्प और सेवा की राह पर अग्रसर करता है। कांवड़ यात्रा की मूल भावना भक्ति की पराकाष्ठा है।

यह वह श्रद्धा है, जो गंगोत्री से लेकर हरिद्वार, देवघर, प्रयागराज, काशी और ब्रजघाट तक हजारों किलोमीटर लंबी पदयात्रा को भी तपस्या का स्वरूप दे देती है। कांवरिया मानता है कि शिव तक पहुंचने का सबसे सच्चा मार्ग गंगा से जल लाकर उनका अभिषेक करना है। आस्था का यह पर्व एक भव्य सामाजिक आयोजन बन चुका है, जिसमें युवा, वृद्ध, महिलाएं, बच्चे—सभी बिना किसी भेदभाव के कंधे पर गंगाजली लेकर निकल पड़ते हैं। देवाधिदेव महादेव का प्रिया महीना सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है, जो 9 अगस्त को समाप्त होगा। यानी 9 अगस्त तक भक्त कांवड़ लेकर निकलेंगे। भोलेनाथ के भक्त सावन में सोमवार को व्रत रखने के अलावा कांवड़ यात्रा भी निकलेंगे। कांवड़ यात्रा के कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना जरूरी होता है।

मान्यता है कि देवाधिदेव महादेव के प्रिया महीने सावन में पहली बार कांवड़ यात्रा की शुरूआत भगवान परशुराम ने की थी। तब से यह परंपरा अनवरत चली आ रही है। हरिद्वार और गंगोत्री जैसे तीर्थ स्थान से भोलेनाथ के भक्त पवित्र नदियों का जल कांवड़ में भरते हैं और शिवालियों में जाकर उसे जल से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। इस पवित्र धार्मिक यात्रा में शिव भक्त गंगाजल या किसी भी पवित्र नदी से जल लेकर अपने पास के शिव मंदिर में भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। खास तौर पर उत्तर भारत में कांवड़ यात्रा बड़े पैमाने पर निकलती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु कांवड़ लेकर शिवजी का जलाभिषेक करते हैं। कुछ लोग अपनी मन्नत के पूरा होने पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने के लिए कांवड़ लेकर निकलते हैं। वहीं, कुछ लोग निस्वार्थ और निष्काम भक्ति से कांवड़ लेकर निकलते हैं। इस दौरान सैकड़ों किलोमीटर की लंबी यात्रा शिवभक्त करते हैं।

कांवड़ यात्रा के कुछ नियम हैं, जिनका पालन करना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर यात्रा पूरी नहीं होता है। आइए जानते हैं कांवड़ निकलते समय क्या नहीं करना चाहिए। कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह के का नशा नहीं करना चाहिए। शराब, पान, गुटखा, सिगरेट, तंबाकू जैसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। एक बार कावड़ कंधे पर उठाने के बाद उसको जमीन पर नहीं रखा जा सकता। ऐसा करने पर कांवड़ यात्रा अधूरी मानी जाती है। जमीन पर कांवड़ को रखने के बाद फिर से जल भरकर यात्रा शुरू करनी होती है। नित्यक्रियाओं के लिए अगर जा रहे हैं, तो कांवड़ को किसी ऊंचे स्थान पर रखना चाहिए। स्नान करने के बाद ही दोबारा कांवड़ को छूना चाहिए। कांवड़ को किसी के ऊपर से नहीं ले जाना चाहिए। साथ ही कांवड़ यात्रा के दौरान चमड़ा स्पर्श नहीं करना चाहिए। कांवड़ को सिर के ऊपर भी नहीं रखना चाहिए। कांवड़ियों को सोने या आराम करने के लिए बिस्तर या खटिया का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

कांवड़ यात्रा का उल्लेख न केवल लोककथाओं में मिलता है, बल्कि यह वैदिक और पौराणिक ग्रंथों में भी वर्णित है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय भगवान शिव ने जब विषपान किया, तब रावण सहित अनेक भक्तों ने गंगाजल से उनका जलाभिषेक कर उन्हें शीतलता प्रदान की थी। यही परंपरा कालांतर में कांवड़ यात्रा के रूप में विकसित हुई। हरिद्वार की कांवड़ यात्रा की शुरूआत भगवान परशुराम से जुड़ी बताई जाती है, जबकि श्रवण कुमार की तीर्थयात्रा भी कांवड़ का प्रतीक बन चुकी है। कांवड़ यात्रा आज एक महान जनांदोलन का रूप ले चुकी है, जिसमें अनुशासन और भक्ति दोनों अपने चरम पर होते हैं। बिना जूते-चप्पल के, कई सौ किलोमीटर की पैदल यात्रा करना आसान नहीं, लेकिन कांवरिया इसे कर्तव्य और पुण्य दोनों मानकर चलता है। रात-दिन के सफर में केवल एक ही मंत्र होता है—बोल बम। यह यात्रा केवल शिव के प्रति नहीं, स्वयं के भीतर के शिवत्व की खोज है। यह स्वयं को तपाने की साधना है, संयम की पराकाष्ठा है। कांवड़ यात्रा का सामाजिक और पर्यावरणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जल को पवित्र मानते हुए यह यात्रा जल संरक्षण का प्रतीक बन गई है। कांवरियों की टोली जहां से भी गुजरती है, वहां समाज सेवा, सफाई, भंडारे, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था स्थानीय लोगों द्वारा की जाती है। कांवड़ यात्रा ने आपसी भाईचारे, सेवा-भाव और सामाजिक एकजुटता की नई मिसालें स्थापित की हैं। कांवड़ केवल शिव का जलाभिषेक नहीं, बल्कि शिव और गंगा दोनों की संयुक्त आराधना है। गंगा, जो शिव की जटाओं से निकली, और शिव, जो सृष्टि के संहारक ही नहीं, कल्याणकर्ता भी हैं—दोनों की यह एकात्मता कांवड़ यात्रा के माध्यम से प्रत्यक्ष होती है। यह यात्रा हमें सिखाती है कि जब हम गंगाजल को शिव को अर्पित करते हैं, तो हम सृष्टि, प्रकृति और समाज के प्रति भी अपना दायित्व निभाते हैं।

व्यंग्य: ग्लोबल ज्ञान का देसी ठेकेदार

-मनोज जानी

हम भारतीयों में एक खास किस्म की अंतरराष्ट्रीय आत्मा पायी जाती है। हम अमेरिका की स्वास्थ्य नीति, फ्रांस के किसान आंदोलन, इजराइल-गाजा संघर्ष, यूक्रेन-रूस युद्ध, और यहां तक कि अफ्रीका के जंगलों में मर रहे गैंडे तक पर इतनी गहराई से चर्चा कर लेते हैं कि उठठ और इइउ वाले भी जल-भुन जाते होंगे। असल बात ये है कि इन मुद्दों पर असली ज्ञान तो हम जैसे ग्लोबल ज्ञानी ही देते हैं वरना सीएनएन और बीबीसी की क्या बिसात जो कोई जानकारी पता लगा लें। हमारे इस अद्भुत देश में हर गली, हर नुक्कड़, हर चाय की दुकान पर कम से कम दो विदेश नीति विशेषज्ञ जरूर मिल जाते हैं। इनके ज्ञान की सीमा इतनी व्यापक होती है कि संयुक्त राष्ट्र के स्थायी सदस्य भी शर्मा जाएं। यह ज्ञान आमतौर पर टी स्टॉल थिंक टैंक से निकलता है, जहां एक कप चाय और परचून की दुकान वाला रेडियो मिलकर पूरी अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बुनियाद रख देते हैं। इन्हें अमेरिका के इलेक्शन में धांधली की खबर होती है, ब्राजील के जंगलों में लगी आग की चिंता होती है, चीन की GDP की चाल पता होती है, और अफगानिस्तान में महिलाओं की हालत पर गहरा दुख भी। हमारे देश में रहकर, विदेश के हर मुद्दे, हर समस्या पर ज्ञान देने वाले ग्लोबल ज्ञानी, सभी चौक-चौराहों पर पाए जाते हैं। सोशल मीडिया का युद्धक्षेत्र हो या, आफिस का कार्यक्षेत्र, हर जगह कुछ ग्लोबल ज्ञानी विराजमान रहते हैं। वे बताते हैं कि जर्मनी में शिक्षा मुफ्त है, नॉर्वे में जेलें होटल जैसी होती हैं, जापान में ट्रेनें सेकंड भर भी लेट नहीं होतीं, और स्विट्जरलैंड में बच्चे टैक्स की परिभाषा लेकर पैदा होते हैं। चाइना टेक्नॉलजी में अमेरिका से आगे है।

जी.एम.मोमिन कालेज स्टडी सेंटर के एम.ए.उर्दू अंतिम वर्ष का शानदार परीक्षा परिणाम

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यशवंत राव चौहान महाराष्ट्र ओपन यूनिवर्सिटी नासिक द्वारा 8 जुलाई 2025 को एम.ए. उर्दू अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम ऑनलाइन घोषित किया गया ।भिवंडी के प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थान केएमई सोसायटीज जी.एम.मोमिन वीमेंस कॉलेज अध्ययन केंद्र का परिणाम 97.77% रहा । अध्ययन केंद्र द्वारा मई/जून 2025 में आयोजित एम.ए.उर्दू अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 45 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए थे । जिनमें से 44 छात्रों ने सफलताप्राप्त की । 22 छात्रों ने विशेष योग्यता के साथ और 22 छात्रों नें प्रथम स्थान में सफलता प्राप्त किये । सराहनीय सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों में बेगअक्सा रियाज अहमद 80.73% अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया ।मुहम्मद खुजैमा हिजाजी मुहम्मद तल्हा ने79.82%अंकों के साथ दूसरा स्थान , अंसारी फरहीन नियाज अहमद 79.64% अंकों के साथ तीसरा स्थान , कुरैशी अलकमा बानो मुहम्मद अकरम ने 79.45% अंकों के साथ चौथा स्थान , अंसारी नेहा परवीन फैयाज अहमद79.36% अंकों के साथ पांचवां स्थान , शहर बानो मुहम्मद अख्तर 79% अंक प्राप्त कर छठा स्थान , अंसारी स्नेहा मुमताज अहमद 78.95%अंकों के साथ सातवां स्थान , मोमिन सानिया परवेज अहमद 78.18% अंकों के साथ आठवां स्थान , अंसारी अर्शिया फिरदौस सदरुद्दीन78.05% अंकों के साथ नौवां स्थान और खान माहे नूर बानो मुश्ताक अहमद ने 77.55% अंक प्राप्त कर दसवां स्थान हासिल किया ।छात्रों के इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह , सचिव दानियाल काजी , कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे , रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली , प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी , सेंटर इंचार्ज सफा आगा , समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और समस्त स्टाफ सदस्यों नें सफल छात्रों और उनके अध्यापकों को बधाई दी है ।

मीशो मॉल पर टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू के उत्पाद मिलना हुए शुरू

मुंबई/पटना। मीशो मॉल ने टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया के साथ साझेदारी की है।इस साझेदारी के बाद अब भारत में सभी ग्राहकों को ब्रांडेड दैनिक वैलनेस, बेवरेज और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ेगी। मीशो मॉल पर पूरे देश के ग्राहक अब टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू के उत्पाद आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उन्हें पर्सनल केयर से लेकर वैलनेस और बेवरेज तक दैनिक उपयोग की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी।

इस पार्टनरशिप द्वारा खासकर टियर 2+ शहरों में मीशो के लाखों शॉपर्स टाटा टी, टेटली और टाटा कॉफी जैसे टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और क्लीन एंड क्लियर फेस वॉश, जॉनसंस बेबी केयर प्रोडक्ट्स और स्टेफ्री सिक्योर सैनिटरी पैड जैसे केन्व्यू के उत्पाद आसानी से खरीद सकेंगे। देहरादून, पुरी, मदुरई और सूरत जैसे शहरों के ग्राहक दैनिक उपयोग की सामग्री, जैसे ग्रीन टी, स्किनकेयर, और हाईजीन प्रोडक्ट्स की खरीदारी ऑनलाईन प्लेटफॉर्म्स के ज्यादा करने लगे हैं। मीशो मॉल पर इन श्रेणियों में ग्राहकों की गहरी दिलचस्पी है तथा लॉन्च के एक महीने के अंदर ही टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया के उत्पादों की मांग बढ़ रही है। मीशो के साथ टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया की गहरी होती पार्टनरशिप के साथ वो डिजिटल फर्स्ट ग्राहकों के तेजी से बढ़ते हुए वर्ग के बीच पहुँच रहे हैं। टियर 2+ बाजारों में मीशो की बढ़ती पहुँच के साथ ब्रांड्स भारत के विकसित होते हुए परिदृश्य में अपनी मौजूदगी व उपयोगिता बढ़ा रहे हैं।

सैमसंग के नए फोल्डेबल स्मार्टफोन होंगे अब तक के सबसे पतले, हल्के और मजबूत

मुंबई/पटना। दक्षिण कोरिया की जानी-मानी टेक कंपनी सैमसंग आज न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन से अपने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स की सातवीं पीढ़ी लॉन्च करने जा रही है। कंपनी का दावा है कि ये डिवाइस न सिर्फ अब तक के सबसे पतले और हल्के होंगे, बल्कि टिकाऊपन के मामले में भी नई ऊंचाई छुएंगे। साल 2019 में सैमसंग ने अपने पहले फोल्डेबल फोन गैलेक्सी फोल्ड के साथ इस सेगमेंट की शुरूआत की थी, जिसमें स्मार्टफोन की पॉर्टेबिलिटी और टैबलेट जैसी बड़ी स्क्रीन का अनूठा संयोजन देखने को मिला था। हालांकि, कीमत और मजबूती को लेकर उपभोक्ताओं की झिझक अब तक बनी रही। लेकिन अब उम्मीद की जा रही है कि नए लॉन्च के साथ यह तकनीक आम लोगों तक और ज्यादा पहुंच सकेगी। सैमसंग अपनी इनोवेटिव सोच और ट्रेंड-सेटिंग प्रोडक्ट्स के लिए मशहूर है। कंपनी का मानना है कि उसके नए फोल्डेबल डिवाइस उन यूजर्स के लिए हैं जो स्टाइल, तकनीक और मजबूती झ तीनों चाहते हैं। ब्रुकलिन जैसे रचनात्मक और सांस्कृतिक माहौल से लॉन्च कर सैमसंग एक बार फिर यह संदेश दे रही है कि वह सिर्फ ट्रेंड को फॉलो नहीं करती, बल्कि नया ट्रेंड बनाती है। इस हफ्ते ब्रुकलिन कन्वेंशन सेंटर में जब सैमसंग के डिवाइस एक्सपीरियंस डिवीजन के एक्टिंग हेड टीएम रोह मंच पर आएंगे, तो सबकी निगाहें इस पर रहेंगी कि कंपनी किन नए फीचर्स का खुलासा करती है। सैमसंग पहले ही कह चुकी है कि उसके इंजीनियर हर नई जेनरेशन में फोन को पहले से ज्यादा पतला, हल्का और टिकाऊ बनाने पर लगातार काम कर रहे हैं।

बर्गर सिंह पटना में फिर से देगा दस्तक, नए फ्रैंचाइजी मॉडल के साथ करेगा विस्तार

मुंबई/पटना। भारत की सबसे बड़ी देसी बर्गर चेन बर्गर सिंह ने बिहार की राजधानी पटना में नए आउटलेट्स खोलने के लिए साझेदारी की घोषणा की है। ब्रांड ने हाल ही में अपना ओनर-पार्टनर फ्रेंचाइज मॉडल लॉन्च किया है, जो स्थानीय उद्यमियों को कम निवेश में बिजनेस शुरू करने का अवसर देता है। इस मॉडल के अंतर्गत केवल 24 लाख के निवेश से एक फुल-सर्विस डाइन-इन आउटलेट खोला जा सकता है, जिसमें ब्रांड स्वयं 20 लाख का सह-निवेश करता है। हाल ही में ब्रांड ने पटना के कंकरबाग क्षेत्र में स्थित अपने एक पूर्व फ्रैंचाइजी के साथ फ्रैंचाइजी संबंध समाप्त कर दिए, जब गंभीर अनुबंध उल्लंघनों के आरोप सामने आए। बताया गया कि उस आउटलेट में एक्सपायर्ड फूड का इस्तेमाल किया गया, सप्लाई का भुगतान नहीं किया गया और ब्रांड के निगरानी तंत्र से छेड़छाड़ की गई। मई 2025 में समझौते को समाप्त कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद वह आउटलेट अवैध रूप से 'बर्गर सिंह' ब्रांडिंग का उपयोग करता रहा।

पलावा पुल से यातायात सुचारुः विधायक राजेश मोरे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-शील रोड पर बना पलावा पुल बीते कुछ दिनों से सुर्खियों में बना हुआ है। पलावा पुल को जल्दीबाजी में शुरू किया गया था। इस पर दोपहिया वाहन चालक के फिसलकर गिरने की आलोचना विपक्ष की ओर से की गई थी। इस कारण गुरुवार को शिंदे सेना के विधायक राजेश मोरे ने पलावा उड़ान पुल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पलावा पुल यातायात के लिए सुस्थित है।

पुल का निरीक्षण करने के बाद विधायक राजेश मोरे ने कहा कि पलावा उड़ान पुल की एक लेन तैयार हो गई थी। ट्रैफिक जाम के कारण नागरिक परेशान थे, इसलिए नागरिकों की सुविधा के लिए यह लेन खोल दी गई ना कि इसका उदघाटन किया गया। पुल का काम नया होने के कारण वहाँ स्टोन पाउडर डाली गई थी। तुरंत बारिश हो जाने से वहाँ थोड़ी देर के लिए असुविधा हुई थी, लेकिन तुरंत वहां स्टोन क्रशर डाला गया। विधायक ने आगे कहा कि पलावा पुल से यातायात सुचारु है। विपक्ष का काम आलोचना करना है। हम अपने काम के जरिए आलोचना का उत्तर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पुल से वाहन चालक फिसलकर गिरा, इसकी कोई जानकारी आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस के पास नहीं है।

वहीं मनसे नेता राजू पाटिल ने पलावा पुल की दूसरी लेन की अलाइन्मेंट बदले जाने का आरोप लगाया था। इस पर विधायक मोरे ने कहा कि वहाँ एक विधवा आगरी महिला होटल का व्यवसाय करती है। वहाँ विरोधी कार्रवाई करने की बात कहते हैं। एक ओर भूमिपुत्र आगरी होने की बात कहकर उसी के होटल पर कार्रवाई करने की बात कहना उचित नहीं है, ऐसा प्रतिउत्तर मोरे ने पाटिल को दिया।

श्री साईराज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड द्वारा कांवड़ियों को किया जायेगा सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री साईराज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष व संचालक गिरिजेश राजकिशोर सिंह द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर शिवभक्त कांवड़ियों के सम्मान में इस वर्ष भी एक विशेष आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन लगातार कांवड़ यात्रा की परंपरा, श्रद्धा और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु किया जाता है। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक कांवड़ियों को अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर, तथा कांवड़ लिए हुए फोटो आयोजकों को भेजना अनिवार्य होगा। चयन प्रक्रिया में कांवड़ियों की वेशभूषा, आचरण, एवं सनातन संस्कृति के प्रति समर्पण को प्राथमिकता दी जाएगी। कार्यक्रम को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया गया हैः 1. पुरुष कांवड़ियों का ग्रुप, 2. महिला कांवड़ियों का ग्रुप, 3. बालक कांवड़ियों का ग्रुप। प्रत्येक श्रेणी में तीन प्रतिभागियों को विशेष सम्मान प्रदान किया जाएगा। वहीं, अन्य सभी भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को सम्मान पत्र देकर उनके उत्साह और श्रद्धा का सम्मान किया जाएगा। उक्त आयोजन के बारे में अधिक जानकारी हेतु श्री साईंराज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड के अध्यक्ष व संचालक गिरिजेश राजकिशोर सिंह के दूरभाष क्रमांक 9223248569 पर अथवा श्री साईंराज को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड 1375/5, लक्ष्मी प्लास्ट, शिवाजी नगर, सालवड, बोईसर तारापुर, पालघर झ 401504 पते पर संपर्क कर सकते हैं।

वसई तहसील कार्यालय में 'बोंबा बोंब' आंदोलन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में घरकुल योजना के लाभार्थियों को 5 ब्रास रेत उपलब्ध कराने के आदेश राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने पहले ही जारी किए हैं, लेकिन जिले में अब तक एक भी लाभार्थी को राजस्व विभाग की ओर से रेत नहीं दी गई है। इसी को लेकर सोमवार को भारत का मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी (लाल बावटा) ने वसई तहसील कार्यालय पर जोरदार 'बोंबा बोंब' आंदोलन किया।पार्टी कार्यकताओं का कहना है कि आदिवासी कातकरी समाज के कई घरकुल अपूर्ण हैं क्योंकि उन्हें निर्माण कार्य के लिए रेत ही नहीं मिल रही है। आंदोलनकारियों ने तहसील कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द रेत उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान वसई तहसीलदार डॉ. अविनाश कोश्टी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को आश्वस्त किया कि आज ही रेत उपलब्ध कराई जाएगी। उनके आश्वासन के बाद फिलहाल आंदोलन स्थगित कर दिया गया है। इस आंदोलन में वसई तालुका सचिव कॉ. शेरू वाघ, सह सचिव कॉ. अरुणा मुकणे, कॉ. सीता जाधव, कॉ. भारती गुजर, कॉ. पार्वती पाडेकर, कॉ. मथुरा भोईर, कॉ. सतीश बुजड, कॉ. बसंती मसार, कॉ. आरती वांगड सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

तलासरी पुलिस ने किया 11 लाख से अधिक की अवैध शराब बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले में अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए पालघर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत तलासरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल की कुल कीमत करीब 11 लाख 38 हजार रुपये आंकी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 जुलाई 2025 को तलासरी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिंद्रा पिकअप वाहन के जरिए अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तलासरी तहसील के पाटीलपाड़ा स्थित उधवा रोड पर नाकाबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। नाकाबंदी के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध महिंद्रा पिकअप आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की और वाहन की तलाशी के दौरान उसमें बड़ी मात्रा में दमन व दीव क्षेत्र में निर्मित अवैध शराब बरामद हुई। जब्त शराब की बाजार कीमत करीब 1 लाख 38 हजार 120 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने पिकअप वाहन सहित कुल 11 लाख 38 हजार 120 रुपये मूल्य का माल जब्त करते हुए आरोपी के खिलाफ तलासरी पुलिस थाने में महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम की धारा 65 (ई) के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक जे.एम. उमतोल कर रहे हैं।उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अंकिता कणसे, पुलिस निरीक्षक अजय गोरड, पुलिस उपनिरीक्षक व्ही.आर. दरगुडे, सहायक पुलिस निरीक्षक जे.एम. उमतोल, हवलदार हिरामण खोटरे, पुलिस अंमलदार कमलेश वरखंडे व इंद्रभान लंबे की टीम द्वारा की गई है।

शिवाजीनगर पुलिस के हत्थे चढ़े तीन शातिर बदमाश

बदमाशों से नकदी और सोने के आभूषण बरामद

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ की शिवाजीनगर पुलिस ने 12 घंटे में तीन संदिग्ध चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की चार घटनाओं का खुलासा किया, जिसमें करीब 2,38,000 रुपये के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए।

शिवाजी नगर पुलिस ने बताया कि 4 जुलाई को सुबह करीब 8:20 बजे मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात युवक शिवाजी नगर इलाके में एक महिला के पास आए और महिला का बैग छीनकर भाग गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। महिला ने बताया कि उसके बैग में 35 हजार रुपये और सोने-चांदी के आभूषण थे, जिन्हें चोर छीनकर भाग गए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुँचने में सफल रही।

शिवाजी नगर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर एक टीम बनाकर बदलापुर और अंबरनाथ शिवाजीनगर से आरोपी आकाश उर्फ बटला सिंह (26), रंजीत सिंह (19) और अमन जंगली यादव (20) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने अपना अपराध कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने पहले भी अनगिनत चोरियाँ की हैं। पुलिस ने उनके पास से सोने-चाँदी के आभूषण, नकदी और चोरी का सामान बरामद किया है।

जसलोक हॉस्पिटल में नेतृत्व परिवर्तनः विनोद पी. चनराय बने नए चेयरमैन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के प्रमुख मल्टी-स्पेशियलिटी क्वॉटरनरी केयर संस्थानों में से एक, जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने अपने नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब तक चेयरपर्सन के रूप में उल्लेखनीय सेवा दे चुकीं श्रीमती कांता मसंद को मानद चेयरपर्सन एमेरिटस की उपाधि दी गई है। वहीं, लंबे समय से ट्रस्टी रहे और जसलोक समुदाय की एक प्रमुख शख्सियत श्री विनोद पी. चनराय ने चेयरमैन का पदभार संभाल लिया है।

श्रीमती मसंद के कार्यकाल के दौरान हॉस्पिटल ने चिकित्सा सेवाओं, बुनियादी ढांचे और सामाजिक पहुंच के क्षेत्र में कई अहम उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके कार्यकाल में मरीज सर्वोपरीरहा और संस्थान के मूल मूल्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता से परिभाषित होती है। उनके नेतृत्व में कोविड-19 के समय जसलोक एनेक्स की स्थापना की गई और मुंबई के निजी अस्पतालों में सबसे अधिक वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड भी जसलोक ने ही बनाया। बाल आशा अनाथालय के प्रति उनका समर्पण उनकी सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को दशार्ता है।

अब इस मजबूत नींव पर, श्री विनोद पी. चनराय हॉस्पिटल के भविष्य को नई दिशा देने के उद्देश्य के साथ चेयरमैन की भूमिका में आए हैं। तकनीकि, नवाचार और शासन के क्षेत्र में उनके अनुभव ने एक ट्रस्टी के रूप में हॉस्पिटल की डिजिटल परिवर्तन यात्रा, निगमीय संचालन को मजबूत करने, तथा अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। उनका नेतृत्व जसलोक हॉस्पिटल को शैक्षणिक उत्कृष्टता, अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं और नवाचार आधारित चिकित्सा की नई दिशा की ओर ले जाएगा।

श्रीमती कांता मसंद ने कहा, जसलोक केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि करुणा, सेवा और समर्पण का एक जीवंत प्रतीक है, जहां परंपरा और प्रगति का सुंदर संगम होता है। इस संस्थान का हिस्सा बनना मेरे जीवन का गौरव रहा है। मैं आगे भी इसके मूल्यों को सहेजते हुए इसकी रणनीतिक दिशा तय करने में योगदान देती रहूंगी। मुझे पूरा विश्वास है कि श्री विनोद के दूरदर्शी नेतृत्व में जसलोक पूरी ऊर्जा और आत्मबल के साथ भविष्य का स्वागत करेगा।

अपनी नई भूमिका को लेकर श्री विनोद पी. चनराय ने कहा, जसलोक हॉस्पिटल का चेयरमैन बनना मेरे लिए गर्व और ज़िम्मेदारी दोनों है। मैं श्रीमती मसंद द्वारा स्थापित मूल्यों के मार्गदर्शन में इस संस्था को ऐसे भविष्य की ओर ले जाना चाहता हूं जो तकनीक, करुणा और नवाचार पर आधारित हो।

हम एआई जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं में सार्थक सुधार लाने, शैक्षणिक विस्तार करने और मरीजों को सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जसलोक हॉस्पिटल के सीईओ श्री जितेंद्र हरयान ने इस अवसर पर कहा, किसी भी संस्था की प्रगति के लिए नेतृत्व में बदलाव जरूरी होता है। श्रीमती मसंद का योगदान अनमोल रहा है और मैंने स्वयं उनके हर निर्णय में समझदारी और ईमानदारी को देखा है। हम श्री चनराय का स्वागत पूरे विश्वास और आशा के साथ कर रहे हैं। उनका विजन जसलोक 2.0 के युग को परिभाषित करेगा जो आधुनिक ढांचे, नवाचार और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण से प्रेरित होगा।

केडीएमसी मुख्यालय पर मनसे का विरोध प्रदर्शन

प्रशासन के खिलाफ फोड़े गए नारियल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के बेतुरकरपाड़ा निवासी विलास म्हात्रे नामक युवक की डेंगू से मौत हो गई। इस घटना के विरोध में मनसे ने आज कल्याण डोंबिवली मनपा मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मनसे कार्यकताओं ने नारियल फोड़ते हुवे पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और चेतावनी देते हुवे कहा गया कि नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ मनसे बर्दाश्त नही करेगी।मनसे के पूर्व विधायक भोईर ने कहा कि हम कल आयुक्त से मिले थे। उनके पास डेंगू के मरीजों की संख्या नहीं थी। आज एक युवक की मौत हो गई। एक और महिला डेंगू से पीड़ित है। उसकी हालत गंभीर है। प्रशासन अभी तक वहां तक नहीं जा सका है। बेतुरकर पाड़ा में इसी तरह 100 से 150 मरीज हैं। प्रशासन मरीजों के इलाज के लिए सीघ्र उपाय योजना करे ।मरीजो का इलाज तत्काल नही किया गया तो मनसे अपने स्टाइल में केडीएमसी से निपटेगी। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व मनसे के पूर्व विधायक प्रकाश भोईर ने किया, जिसमें अध्यक्ष उल्हास भोईर के साथ गणेश लांडगे, कपिल पवार, विनोद काणे, उर्मिला तांबे, कस्तूरी देसाई और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

डेक्कन राइस ने चीनी बाजार में प्रवेश किया

मुंबई। लोकप्रिय डेक्कन ब्रांड के तहत चावल एक्सपोर्ट करने वाली डेक्कन ग्रेन्ज इंडिया ने हाल ही में चीनी बाजार में प्रवेश किया है। कंपनी पहले से ही स्वीडन, ब्रिटेन, जर्मनी, आयरलैंड, लंदन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय यूनियन और तुर्की को भारतीय चावल की 30 किस्मों का निर्यात कर रही है, और चीन इसके ग्लोबल फुटप्रिंट में नया नाम है।

डेक्कन ग्रेन्ज इंडिया के डायरेक्टर किरण कुमार पोला ने कहा, हम दक्षिण भारत से चावल निर्यात में वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले एकमात्र चावल ब्रांड हैं। चीन में प्रवेश कंपनी के लिए एक बड़ा कदम है, जो चावल प्रोडक्शन में भारत के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। डेक्कन फूड्स अमेरिकी बाजार में गैर-बासमती चावल श्रेणी में लीडर है। हम आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के हजारों किसानों से गुणवत्तापूर्ण चावल खरीदते हैं और उसे विभिन्न देशों में एक्सपोर्ट करते हैं। डेक्कन ग्रेन्ज 2026 की शुरूआत में भारतीय बाजार में प्रवेश करेगा।

अपने 15 साल के लंबे सफर में कंपनी ने विदेशों में 7 करोड़ से ज्यादा चावल की बोरियाँ बेची हैं। सोना मसूरी इसकी कुल बिक्री का 60 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी का हैदराबाद के पास सुल्तानपुर में एक अत्याधुनिक, जापानी तकनीक से ऑपरेटेड चावल प्रोसेसिंग फैसिलिटी है जिसकी मासिक क्षमता 5,500 मीट्रिक टन है। इसमें 100 लोग कार्यरत हैं।

किरण को चावल के कारोबार में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने 1995 में हैदराबाद के कोठापेट स्थित एक चावल मिल में छह महीने काम किया था। उसके बाद, वह ऐश्वर्या इंडस्ट्रीज में एक छोटे कर्मचारी के रूप में शामिल हो गए।

किरण ने कड़ी मेहनत करके इसे एक चावल निर्यातक कंपनी बनाया। 2008 में लंदन में डेक्कन ब्रांड लॉन्च करने से पहले, उन्होंने उस कंपनी में 14 साल काम किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित।RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सात माह में दूसरी त्रासदी

एक और भाई ने की आत्महत्या

रियाजुल हक

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे के नासही मोहल्ले में बुधवार देर शाम एक दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। एक ही परिवार में सात माह के भीतर दूसरी बार आत्महत्या की घटना सामने आई है। 32 वर्षीय युवक दुर्गेश सोनी पुत्र स्व. ओमप्रकाश सेठ ने अपने मकान के कमरे में पंखे से चादर के सहारे फांसी लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। इससे पहले, उसके छोटे भाई मनोज सोनी ने भी 24 दिसंबर 2024 को आत्महत्या कर ली थी।जानकारी के अनुसार, दुर्गेश की पत्नी लगभग 10 दिन पहले अपने दोनों बच्चों के साथ मायके चली गई थी, और वह घर में अकेला था। बुधवार की शाम उसकी मां उषा देवी जब कमरे के पास पहुंची तो देखा कि दुर्गेश पंखे से लटका हुआ है। घबराई मां ने तुरंत घर में मौजूद चिकित्सक को बुलवाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मानसिक तनाव या पारिवारिक कलह? पुलिस कर रही जांच, इलाके में फैली सनसनी

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को बुलवाया। टीम ने करीब एक घंटे तक कमरे की बारीकी से जांच करते हुए आवश्यक साक्ष्य जुटाए, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

गौरतलब है कि इसी परिवार के मनोज सोनी ने भी बीते दिसंबर में रहस्यमयी परिस्थिति में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। अब दुर्गेश की मौत ने पूरे मोहल्ले को स्तब्ध कर दिया है। लोग घटना के पीछे के कारणों को लेकर तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं—कहीं पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी, या मानसिक अवसाद इसका कारण तो नहीं। पड़ोसियों का कहना है कि दुर्गेश पिछले कुछ समय से चुपचाप और तनावग्रस्त दिखाई देता था। पत्नी के जाने के बाद से वह और अधिक गुमसुम हो गया था।पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कहा कि हर पहलू की जांच की जा रही है, मृतक के मोबाइल फोन, डायरी और परिजनों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।चिंता का विषय बनती आत्महत्याएं,एक ही परिवार के दो सदस्यों द्वारा आत्महत्या जैसी दुखद घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय हैं। यह न केवल मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी को दर्शाती है, बल्कि ऐसे परिवारों को समय रहते काउंसलिंग, सहयोग और सहानुभूति की आवश्यकता भी उजागर करता है।

एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत मेडिकल कालेज जौनपुर में किया गया पौधरोपण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। राज्य स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एवं मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज मेडिकल कॉलेज, जौनपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्य, प्रो० डा० रूचिरा सेठी, उप प्रधानाचार्य प्रो डा० आशीष यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो० डा० ए० ए० जाफरी एवं अन्य चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी, कर्मचारीगण एवं छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी माताओं की स्मृति व सम्मान में एक-एक पौधा रोपित किया।प्रधानाचार्य, प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि मां न केवल जीवन की जननी होती है। बल्कि वह हमारे संस्कारों, मूल्यों और संवेदनाओं की प्रथम शिक्षिका भी होती है। उनके नाम पर पौधा लगाना केवल प्रकृति से जुड़ाव नहीं, बल्कि भावनात्मक कृतज्ञता की भी अभिव्यक्ति है। आज हम सभी मिलकर 200 से अधिक पौधों का वृक्षारोपण करेंगे जिसमें नीम, पीपल, अशोक, आम, अमरूद, आवला एवं छायादार व औषधीय पौधों का रोपण किया जाएगा। उप प्रधानाचार्य प्रो० आशीष यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रकृति और माता, दोनों की जीवनदाता हैं। इस अभियान से दोनों के प्रति सम्मान प्रकट करने का अद्भुत अवसर मिला है। हम इस परंपरा को नियमित बनाएंगे। मेडिकल कालेज जौनपुर इस अभियान को नियमित रूप से चलाने एवं अधिकारिक पौधारोपण हेतु प्रेरित करने के लिए कटिबद्ध है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने कहा कि एक पौधा मां के नाम यह केवल एक पर्यावरणीय अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी भावनाओं, कर्तव्यों और संस्कारों से जुड़ा एक गहन संदेश है। मां-जो जीवन की जननी है।जो निःस्वार्थ प्रेम, त्याग और और ममता की प्रतिमूर्ति है।उसके नाम पर एक पौधा लगाकर हम न केवल प्रकृति को उपहार दे रहे हैं।बल्कि उस देवी स्वरूप मां को भी एक संजीवन श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। जिस प्रकार एक मां अपने बच्चो की देखभाल करती है उसी प्रकार हमें इन पौधों की देखभाल करनी है। अन्त में कार्यक्रम के आयोजक डा० तुमुल नन्दन का आभार व्यक्त करता हूं। और सभी को इस अभियान में सहभागी बनने हेतु बधाई देता हूं। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाने हेतु संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर डा० ले० कर्नल सी०बी०एस० पटेल, डा० विनोद, डा० सरिता पाण्डेय, डा० अरविन्द पटेल, डा० चन्द्रभान, डा० आशुतोष सिंह, डा० जितेन्द्र, डा० तुमल नन्दन, डा० मुदित चौहान, डा० नवीन कुमार सिंह, डा० आदर्श यादव, डा० संजीव यादव, डा० पंकज कुमार इत्यादि चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी कर्मचारीगण एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहें।

पीली नदी के तट पर 11000 पौधों का हुआ रोपण

पेड़ लगाने से पर्यावरण होगा संरक्षित, सभी लगाएं एक पौधा: राज्यमंत्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के तहसील बदलापुर में पीली नदी के

तटीय क्षेत्र शाहपुर में 11 हजार पौधरोपड़ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग उ0प्र0 विभाग डा0 अरूण कुमार, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव, विधायक धर्मराज निषाद के द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया और विधिवत वृक्ष की पूजा अर्चना करने के उपरान्त पौधरोपड़ किया गया। विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्रा के द्वारा अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार ने पीली नदी के तट पर लगभग 11000 पौधरोपड़ कराये जाने पर सभी को बधाई दी और कहा कि देश में पेड़ कम होने की वजह से जलवायु परिवर्तन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और बरसात कम हो रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में करीब 37 करोड़ पौधे लगाये गये है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का कहना है कि दुनिया में माँ का स्थान सर्वोपरि है। इसीलिए इस वृहद पौधरोपड़ कार्यक्रम का नाम एक पेड़ माँ के नाम₹ रखा गया है। पेड़ लगाने से पर्यावरण संरक्षित होगा।उन्होंने सभी से एक फलदार पौधा लगाने की अपील की। राज्यमंत्री ने कहा कि पौधा लगाने के साथ ही सुरक्षा करना अति आवश्यक है। उन्होंने सभी से कहा कि याद रहे।जहां हरियाली है, वहां खुशहाली है'। उन्होंने बहरा पार्क का नाम अटल पार्क करने के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 ग्रीनरी बढ़ाने में देश में दूसरा स्थान प्राप्त हैं। 01 दिन में ही रिकार्ड 37 करोड पौधे लगाये जाने पर बधाई दी और कहा कि सभी किसान मेड़ पर पौधे लगाए और सड़को पर भी सुरक्षा के साथ पेड़ लगाए जाए। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण ने अपने सम्बोधन में विस्तार से पौधरोपड़ के महत्व पर चर्चा की। उन्होने कहा कि सभी लोग एक पेड़ माँ के नाम पर अपने घरों, तालाबों, खेत के मेड़ो पर एक पौधा अवश्य लगाये। विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि पर्यावरण बचाने, बरसात कराने में पौधों का महत्वपूर्ण योगदान होता हैं जिसके लिए अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपड़ किया जाए। इसके साथ ही 118 लोगों ने रक्तदान करने पर सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

धड़ल्ले से चल रहा सड़क किनारे अवैध स्टैंड, सवारी वाहनों से की जाती है वसूली

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बार-बार प्रशासन को सख्त हिदायत दी जाती है कि अवैध वसूली व काला बाजार बंद

की जाए। शासन की आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए मडियाहूं कोतवाली पुलिस कोतवाली से मात्र 10 मीटर की दूरी पर स्थित अवैध स्टैंड धड़ल्ले से चल रहा है।स्थानीय नगर में अभी चर्चा का विषय बना हुआ है कि लोडरों द्वारा दबंगई पूर्वक टैक्सी चालकों से जो वसूली की जाती है।उसका कुछ हिस्सो की बदर बाट होती है ।ताजा मामला जहां टैक्सी चालक द्वारा अवैध वसूली का विरोध करने पर दबंग लोडर द्वारा टैक्सी चालक को बद्दी बद्दी गालियां देकर मारा पीटा जाता है। जबरन वसूली की जाती है, सोचने की बात यह है कि यह सब स्थानीय पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे हो रही है। मामला जौनपुर जिले के मडियाहू कोतवाली क्षेत्र के स्थानीय नगर स्थित जौनपुर मडियाहू मुख्य मार्ग का है।

काशी के घाटों पर गुरु पूर्णिमा पर उमड़ी भीड़

◆ **श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी**

डॉ.एस. के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। आज गुरु पूर्णिमा है। आध्यात्मिक नगरी वाराणसी में आज गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। भोर होते ही श्रद्धालु नंगे पांव गंगा तट की ओर उमड़ पड़े। दशाश्वमेध घाट, शीतला घाट, अहिल्याबाई घाट, पंचगंगा घाट और अस्सी घाट पर स्नान के लिए भारी भीड़ देखने को मिल रही है। गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक है कि दशाश्वमेध घाट पर मेले जैसा दृश्य दिखाई दे रहा है। श्रद्धालु 'हर-हर गंगे' और 'नमः शिवाय' के जयघोष के साथ गंगा में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु दान-पुण्य कर रहे हैं और बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए कतारबद्ध हैं।

वाराणसी में गुरु पूर्णिमा पर पातालपुरी मठ में पीठाधीश्वर गुरु बाबा बालक दास का मुस्लिम महिलाओं ने आरती उतार कर गुरु पूर्णिमा पर्व उत्साह से मनाया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। गंगा में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रमुख घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से स्नान कर सकें। जल पुलिस के जवान और प्रशिक्षित गोताखोरों को घाटों पर तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं को केवल बैरिकेडिंग के भीतर ही स्नान करने की सख्त हिदायत दी जा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह दिन गुरु शिष्य परंपरा से जुड़ा है। आज आषाढ़ माह का अंतिम दिन है। कल से भगवान शिव का माह सावन माह शुरू हो जाएगा। इस पूर्णिमा के मौके पर मठ मंदिरों में श्रद्धालु जाकर अपने गुरु का आशीर्वाद ले रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाभारत रचयिता वेद व्यास के जन्मदिन के तौर पर भी गुरु पूर्णिमा के पर्व को माना जाता है।

मर्जर के खिलाफ शिक्षक पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने बदलापुर विधायक को ज्ञापन सौंपा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर परिषदीय विद्यालयों में कम छात्र संख्या को आधार मानकर विद्यालयों के किए जा रहे मर्जर के विरोध में प्रांतीय उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक

शिक्षक संघ के जिला संयुक्त मंत्री शैलेंद्र सिंह व तहसील प्रभारी ब्लॉक अध्यक्ष बक्सा सरोज सिंह के नेतृत्व में शिक्षक पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने बदलापुर विधायक को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से पेयरिंग की कार्यवाही को शिक्षा के अधिकार कानून का हनन बताया है। विधायक को अवगत कराया कि इस अदेश से सबसे ज्यादा प्रभावित हमारे गांव के गरीब घरों की बेटियां हो रही हैं जिनका विद्यालय बंद कर उन्हें दूर दूसरे गांव के विद्यालय में पढ़ने जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे बच्चों के शिक्षा के मौलिक अधिकार को भी छीना जा रहा है।जिसके तहत प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करना उसका मौलिक अधिकार है।इस अवसर पर विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि पेयरिंग मुद्दे को उचित मंच पर उठाएंगे जिससे समस्या का समाधान सुगम हो सके। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विद्यालय पेयरिंग के शासन के तानाशाही पूर्ण आदेश के खिलाफ हमारा प्रांतीय नेतृत्व प्रांतीय अध्यक्ष विनय तिवारी व प्रांतीय महामंत्री उमाशंकर सिंह व जिला अध्यक्ष अमित सिंह के नेतृत्व में निरंतर आंदोलनरत है।जिसके तहत विगत 27 जून को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर बड़े पैमाने पर जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन भेजा गया था।आंदोलन के दूसरे चरण में तीन जुलाई से 15 जुलाई तक सभी जनप्रतिनिधियों को पेयरिंग के विरोध में ज्ञापन देकर इसको निरस्त करने के लिए समर्थन लेने का अभियान चल रहा है। उसी कड़ी में आज विधायक बदलापुर रमेश मिश्रा को ज्ञापन दिया गया।

इस अवसर पर संरक्षक शैलेंद्र सिंह, बक्सा ब्लॉक अध्यक्ष सरोज सिंह, जिला प्रचार मंत्री सुनील प्रजापति, ब्लॉक मंत्री. संतोष उपाध्याय, उपेंद्र उपाध्याय, मनोज सिंह सहोदरपुर, जिला मंत्री मनीष सिंह, धर्मवीर सिंह, रोहित सिंह, प्रधानाध्यापक निर्भय सिंह, भोला यादव, प्रवीण प्रवीण, कुमार सिंह, शशांक सिंह, वेद प्रकाश, सिंह राजनाथ, सिंह यादव, रेखा चौहान, पूर्णिमा सिंह, मंजू वर्मा, विष्णु शंकर सिंह, राजेश सिंह आदि।

अन्नपूर्णा मंदिर में भक्तों ने की गुरु के चरणों की वंदना

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार को यानि गुरु के दिन अन्नपूर्णा मठ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

विधिविधान से महंत शंकर पूरी ने अपने गुरु कपिलमुनि की आराधना कर आरती उतारी। उस दौरान रहे सभी भक्तों ने अपने गुरु को माला-फूल अर्पित कर भोग लगाया, पूजा-अर्चना की और गुरु का आशीर्वाद लिया। बटुकों ने भी मंत्रोच्चार के साथ गुरु की आराधना की और आशीर्वाद लिया। मंदिर के महंत ने गुरु शिष्य की इस पावन परंपरा के बारे में कहा कि गुरुपूर्णिमा, गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक है,भक्तों के लिए अपने गुरुओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण असर है। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व सनातन संस्कृति को जीवंतता व प्रकाश की ओर ले जाता है।इस खास मौके पर मध्याह्न भोग भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद पाया, जो देर शाम तक चलता रहा।इस अवसर महंत के शिष्यों समेत मुख्य रूप से मंदिर प्रबंधक काशी मिश्रा, प्रदीप श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सिंह राकेश तोमर अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

इंटरसिटी ट्रेन पर अराजक तत्वों ने की अंधाधुंध पत्थरबाजी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र के कटवार हाल्ट व सरसरा हाल्ट के बीच जौनपुर से रायबरेली जाने वाली इंटर सिटी ट्रेन पर कुछ अराजक तत्वों ने बुधवार को पत्थर बाजी की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पत्थरबाजी में ट्रेन के कई खिड़की का शीशा टूट गया है, इसमें कुछ यात्री भी घायल हुए है। लेकिन उनका नाम नहीं पता चल पाया है। अचानक ट्रेन पर हुई पत्थरबाजी से ट्रेन के यात्रियों में दहशत फैल गयी।

सूत्रों के मुताबिक जौनपुर से रायबरेली जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन कटवार हाल्ट स्टेशन पहुंची तभी अचानक चेन पुलिंग कर दिया गया। जैसे ही ट्रेन रुकी करीब 6 लोग ट्रेन पर अंधाधुंध पत्थर करने लगे। यह देख कोच में बैठे यात्रियों में चीख पुकार मच गई। लोग कोच में ही आड़ लेकर छुपने लगे ।पत्थर लगने से कई लोग चोटिल हो गए। कोच के कई खिड़की के शीशे टूट गए।हालांकि की कुछ देर बाद ट्रेन रवाना की गई। लोगों ने आखिर क्यों ट्रेन पर पत्थर को चलाया गया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। आरपीएफ प्रभारी जंघई प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि वीडियो का संज्ञान लिया जा रहा है। उसके आधार पर सभी को चिन्हित किया जा रहा है। सभी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

सिकरारा पुलिस ने इंस्टाग्राम पर गाली गलौज व अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थाना सिकरारा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 10.07.2025 को हिंदू धर्म के आराध्य प्रभु श्री राम पर अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी सत्यम गौतम पुत्र धर्मराज गौतम ग्राम ताहिरपुर थाना सिकरारा जनपगद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष सम्बन्धित मु0अ0सं0 233/2025 धारा 299 बीएनएस का शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

शाहगंज पुलिस ने 5 व्यक्तियों को शांति भंग में किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 10/07/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 05 नफर अभियुक्तो को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।गिरफ्तार आरोपी का नाम 1. जितेन्द्र पुत्र बाब राम 2. दिलीप पुत्र हीरालाल निवासीगण सबरहद बलुआपार थाना शाहगंज जौनपुर 3. सौरभ कुमार पुत्र रामचेत 4. लक्ष्मीचन्द्र पुत्र रामअधार राजभर निवासीगण बेलवाई थाना अखंडनगर जनपद सुल्तानपुर 5. श्रीभगवान पुत्र राजकरन सिंह निवासी घाटमपुर थाना अखंडनगर सुल्तानपुर।

श्रावण मास कावड़ यात्रा के दौरान रुट डायवर्जन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। श्रावण मास कावड़ यात्रा के दौरान रुट डायवर्जन-जनपद के निम्नलिखित मार्गों पर वाहनों का डायवर्जन श्रावण मास के प्रत्येक शनिवार शायं 20:00 बजे से मंगलवार सुबह 08:00 बजे तक रहेगा।

1- बक्शा हाईवे अलीगंज तिराहा डायवर्जनः- बक्शा, बदलापुर व सिंगरामऊ से आने वाले कावंरिया व उनके वाहन को शहर में प्रवेश न देते हुए उनको त्रिलोचन महादेव हेतु व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

2- चाँदपुर हाईवे डायवर्जनः- मड़ियाहू व रामदयालगंज से आने वाले कावंरिया व उनके वाहन को शहर में प्रवेश न देते हुए उनको त्रिलोचन महादेव हेतु व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

3-हौजखास हाईवे कट डायवर्जनः- जफराबाद से आने वाले कावंरियों व उनके वाहनों को त्रिलोचन महादेव हेतु व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

4-पकड़ी तिराहा हाईवे डायवर्जनः मुंगराबादशाहपुर, मछलीशहर व सिकरारा से आने वाले कावंरियों व उनके वाहनों को शहर में प्रवेश न देते हुए उनको त्रिलोचन महादेव हेतु व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

5-शिवापार हाईवे डायवर्जनः- रामदयालगंज से आने वाले कावंरियों व उनके वाहनों को शहर में प्रवेश न देते हुए उनको त्रिलोचन महादेव व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

6-मड़ियाहूँ तिराहा डायवर्जनः- मड़ियाहूँ से वाराणसी रोड पर जाने वाले कावंरियों व उनके वाहनों को जलालपुर होते हुए त्रिलोचन महादेव व वाराणसी के तरफ भेजा जायेगा।

7-कस्बा मुगराबादशाहपुर डायवर्जनः- कस्बा मुगराबादशाहपुर जौनपुर के तरफ जाने वाले वाहनों को सरोखनपुर तिराहा से वाराणसी की तरफ व प्रतापगढ़ की तरफ मोड़ दिया जायेगा।

8-बदलापुर कस्बा डायवर्जनः- कस्बा बदलापुर से सुजानगंज की तरफ जाने वाले वाहनों को डायवर्ट किया जायेगा।

9-पचहटिया तिराहा डायवर्जनः- जौनपुर शहर की तरफ आने वाले वाहनों को केराकत की तरफ मोड़ दिया जायेगा, जो थाना गद्दी होते हुये वाराणसी जायेगें।

10-आशीर्वाद होटल औद्योगिक क्षेत्र डायवर्जनः- त्रिलोचन बाजार की तरफ आने वाले वाहनों को बाहर-बाहर हाईवे की तरफ मोड़ दिया जायेगा।

11- त्रिलोचन महादेव हाईवे तिराहा डायवर्जनः- त्रिलोचन बाजार की तरफ आने वाले वाहनों को बाहर-बाहर हाईवे की तरफ मोड़ दिया जायेगा।

12- सुजानगंज तिराहा, मछलीशहर डायवर्जनः- सुजानगंज की तरफ आने वाले वाहनों को डायवर्ड किया जायेगा।

13-वाजिदपुर तिराहा डायवर्जनः- आजमगढ़ की तरफ से आने वाले वाहनों को जगदीशपुर कासिंग की तरफ नही जाने देकर, इनको पालिटेक्निक चौराहा से बाहर-बाहर हाईवे की तरफ मोड़ दिया जायेगा।

पत्रकारों के दुख सुख के साथी दिलीप सिन्हा के निधन से पत्रकारों में शोक

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। पत्रकारों के हमदर्द, हर एक के सुख-दुख में सदा खड़े रहने वाले, उत्तर प्रदेश सूचना विभाग से संबंधित सभी समस्याओं और परेशानियों का समाधान करने वाले प्रिय दिलीप सिन्हा का अचानक इस संसार से विदा हो जाना लखनऊ के पत्रकारों पर गहरा आघात है। उनके निधन का समाचार सुनकर मैं और मेरा पूरा परिवार द्रवित है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह दिवंगत दिलीप सिंह की आत्मा को सदगति प्रदान करते हुए। उनके दुखी और पीड़ित परिवार को यह गहन आघात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गुरुपूर्णिमा पर शंकरपुर अखाड़े के पहलवानो द्वारा गुरु पूजन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चिरई गांव विकास खण्ड अंतर्गत संकट मोचन व्यायाम शाला शंकरपुर मांझारी बाबा स्थल पर आज गुरुपूर्णिमा के दिन गुरुजनों द्वारा मनाया गया। वहीं पर ब्यायाम व कुश्ती के सभी पहलवान उपस्थित रहें। `मौके पर उपस्थित छोटे पहलवान (रेलवे टीटी) बम बम पहलवान ,भैरव पाल अर्जुन पहलवान रामजी पहलवान गुरुजी, ओम प्रकाश यादव, विनोद पाल, भैरव पाल, रवि यादव, मोहन यादव, साहब यादव एवं समस्त पहलवानों मौजूद रहे।

उपभोक्ताओं के शिकायत पर एमओ ने की जनसुनवायी

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के जिगरावा पंचायत के धोबवलिया गांव उपभोक्ताओं ने डीलर शिवजी साह के द्वारा राशन वितरण में धांधली करने की शिकायत 10 जून 2025 को डीएम सीवान, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सीवान, एसएफसी प्रोग्राम पटना आदि अधिकारियों के पास ईमेल के माध्यम से की गई थी। संबंधित अधिकारियों व महाराजगंज के एसडीओ अनिता सिन्हा के निर्देश पर पर महाराजगंज के एमओ रंजन कुमार ने 10 जुलाई 2025 को धोबावलिया के उपभोक्ताओं की शिकायत गांव व डीलर के दुकान पर पहुंच कर की। उपभोक्ताओं ने डीलर द्वारा अंगूठा का निशान लेकर कम राशन देने व अभद्र व्यवहार करने की शिकायत के साथ मनमाने ढंग से यूनिट से कम राशन देने की शिकायत प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से की, एमओ रंजन कुमार ने उपभोक्ताओं के बयान तथा राशन कार्ड नंबर व बयान को सूचीबद्ध कर कार्रवाई करने का आश्वाशन दिया। एमओ के कार्रवाई के आश्वासन पर उपभोक्ता शांत हुए, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रंजन कुमार ने भोक्ताओं की ऑफलाइन व ऑनलाइन शिकायत सुनी।

जफराबाद में 18 वर्षिया युवती ने फांसी लगाकर की ईह लीला की समाप्त

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के हौजपोखरा गांव की युवती ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते है कि गांव निवासी राम मैनेजर चौहान की 18 वर्षीर्या पुत्री सोनम चौहान रात को खाना खाकर कमरे में सोने चली गयी। वह रात में किसी समय पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया। जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। राम मैनेजर चौहान के एक पुत्र व तीन पुत्रियां है। बड़े बेटे व बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। बेटा दो दिन से ससुराल में था। घर मे माँ बाप के अलावा दो बहनें ही थी। सोनम दूसरे नम्बर की लड़की थी। वह इंटर की छात्रा थी। घटना के कारण का कुछ पता नही चल सका है। गांव में घटना को लेकर चर्चा है। चौकी प्रभारी कस्बा जफराबाद राधेश्याम सिंह ने बताया कि शव को पुलिस ने दरवाजा की अंदर लगी कुंडी को तोड़कर शव को कब्जे में लिया। मौके पर कुछ नही मिला। घटना स्थल पर फॉरेंसिक टीम भी आयी।

बटेंगे तो कटेंगे का ही तोड़ है जातिगत राजनीति और भाषा प्रान्तवाद - भरत शुक्ला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सायन कोळीवाड़ा के समाजसेवी व माँ विंध्यवासिनी मंदिर के ट्रस्टी भरत भाई शुक्ला ने कहा कि बटेंगे तो कटेंगे का ही तोड़ है जातिगत राजनीति और भाषा प्रांतवाद का यह मुद्दा है। सीरिया में एक स्कूल के बच्चे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था और इस गिरफ्तारी ने सीरिया में जो नरसंहार करवाया वो आप सभी ने देखा होगा और सुना होगा। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति में बस ऐसी ही एक गलती की तलाश की जाती है, मराठी का मुद्दा ही ले लीजिये। घटनायें ऐसे क्षेत्रो में हो रही है जहाँ राज ठाकरे को नोटा से भी कम वोट मिलते है। जहां पर आबादी गुजराती भाषियों तथा हिन्दी भाषियों की है। और वहां भाजपा के विधायक हैं। यदि अब देवेंद्र फडणवीस एक्शन ले तो महाराष्ट्र के हिन्दुओं को मराठी के नाम पर भड़काया जाएगा कि बीजेपी मराठी के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। यदि फडणवीस एक्शन ना ले तो सोशल मीडिया पर गंध फैलाई जायेगी कि बीजेपी के राज में उसका वोटर सुरक्षित नहीं है। ये विशुद्ध रूप से घटिया राजनीति है लेकिन ये भी तय मानिये कि इसमें अनपढ़ तो फसेंगे ही मगर कई पढ़े लिखें भी आपको गंध उड़ाते नजर आएंगे। यही बात यादव और ब्राह्मण वाले विवाद में है, यदि ब्राह्मण को गिरफ्तार किया तो इधर दिक्कत यादव को किया तो यही तो विपक्ष खुद चाहता है। आपको क्या लगता है अखिलेश यादव को यादवों की और राज ठाकरे को मराठियों की कोई परवाह है? वे चाहते ही है कि सरकार किसी तरह बस इन पर एक लाठी पड़वा दें फिर तो वे क्रमशः यादवों और मराठियों की ही लाशें नोंचने में गिद्ध को पीछे कर देंगे। कुछ ताजा उदाहरण देख लिजिये, हेमंत सोरेन गिरफ्तार हुआ तो उसने ये नहीं कहा की मैंने गड़बड़ की इसलिए गिरफ्तार हुआ उसने आदिवासी का कार्ड खेला, लालू गिरफ्तार हुए तो उसने भी जाति का कार्ड खेला। हेमंत सोरेन को तो सफलता भी मिली, राजनीति में यही होता है। जान बूझकर गलतियां की जाती है, खुद के वोटर्स को पिटवाया जाता है जरूरत पड़ने पर मरवाया भी जाता है तब जाकर सत्ता की रोटी पकती है। जोड़ने की राजनीति तोड़ने वाली से हमेशा कठिन होती है मगर उससे मिली जीत स्थायी होती है। राहुल गाँधी पप्पू होकर भी जाति मे हिन्दुओ को बांटने का दाँव खेल पा रहा है, जबकि बीजेपी ने बड़ी मुश्किल से अलग अलग जातियों को जोड़ा है। इसलिए तोड़ने की राजनीति हमेशा शॉर्टकट होती है, लाशें बिछती है मगर राहुल, अखिलेश, ठाकरे, केजरीवाल और लालू जैसो के लिये रास्ते मे पड़े फूलों का काम करती है।

देश में जौनपुर का नाम रोशन करने वाले होनहारों को अखिलेश यादव ने किया सम्मानित

सपा प्रवक्ता नाहिद लारी खान के कार्यक्रम में शिवांगी व नम्रता को दिये गये 1–1 लाख रुपए

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सूबे की राजधानी लखनऊ में स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शिक्षा व खेल के क्षेत्र में प्रदेश एवं देश में नाम रोशन करने वाले होनहार प्रतिभाओं को 1–1 लाख रुपए का चेक व अंगवस्त्र भेंट करके सम्मानित किया गया। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के दिशा निर्देश पर आयोजित यह ऐतिहासिक कार्यक्रम करके यह संदेश दिया गया कि पढ़ोगे तो बढ़ोगे खेलोगे तो फिट रहोगे। इसी क्रम में जौनपुर की दो महिला प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने क्षेत्र में परिवार, क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे जनपद का नाम प्रदेश एवं देश पटल पर रोशन किया है।उक्त कार्यक्रम से लौटे समाजवादी कुटिया के संस्थापक/संचालक ऋषि यादव एडवोकेट ने बताया कि युवा प्रतिभा समारोह में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता नाहिद लारी खान ने कहा कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया जिन्होंने शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में डंका बजा दिया है।

उक्त समारोह में पूरे प्रदेश के ऐसे प्रतिभाओं को राजधानी आमंत्रित किया गया था। बता दें कि जौनपुर की दो प्रतिभा हैं जिन्हें एक बहादुर कुश्ती चैम्पियन नम्रता यादव हैं जिन्होंने एशियन चैम्पियनशिप में भारत के लिये कांस्य मेडल जीत करके विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। वहीं यूपी बीएड प्रवेश परीक्षा में 4 लाख में से 3 लाख अभ्यर्थी सफल हुये जिसमें जौनपुर की शिवांगी यादव तृतीय टापर हैं। नम्रता एवं शिवांगी से भेंट करके समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष यादव ने सम्मानित करने के साथ आशीर्वाद देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी किया और 1–1 लाख रुपए के चेक के साथ अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही नम्रता के प्रशिक्षक को भी सम्मानित किया गया।उक्त अवसर पर ऋषि यादव एडवोकेट संस्थापक/संचालक समाजवादी कुटिया, शिवांगी की माता, नम्रता के कोच के अलावा अशोक नायक जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी युवजन सभा, उमेश दिलेर, शिवम छोटू, अभिषेक यादव, जयन्ती देवी, शुभम कुमार, अशोक कुमार सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। बता दें कि जौनपुर के सांसद बाबू सिंह कुशवाहा नम्रता और मछलीशहर सांसद प्रिया सरोज शिवांगी को सम्मानित कर चुकी हैं। साथ ही सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या, पूर्व जिलाध्यक्ष लाल बहादुर यादव सहित तमाम लोग भी उपरोक्त प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुये बधाई दे चुके हैं।

वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की प्रेरणादायक पहल, छात्रों को मिला संसदीय प्रक्रिया का सजीव अनुभव

वसई रोड। मानसून सत्र 2025 के अवसर पर वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं जनसेविका श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित ने एक अभिनव पहल करते हुए क्षेत्र के विभिन्न जिला परिषद विद्यालयों के कक्षा 5वीं से 7वीं तक के 50 छात्रों को महाराष्ट्र विधान भवन का विशेष शैक्षणिक भ्रमण कराया। इस पहल का उद्देश्य था विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी देना। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने महाराष्ट्र विधान भवन में चल रही मानसून सत्र की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखा और हॉल में चल रही विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा। साथ ही, उन्हें संपूर्ण विधान भवन परिसर का भी अवलोकन कराया गया, जिससे उन्होंने राज्य शासन प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को जाना। इस विशेष भ्रमण का सबसे प्रेरणादायक क्षण तब आया जब छात्रों की मुलाकात महाराष्ट्र राज्य के लोकप्रिय नेता और मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस से हुई। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके शैक्षणिक जीवन के बारे में जानकारी ली और उन्हें पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में वसई के जिला परिषद विद्यालय एवं पंचायत समिति के शिक्षकगण सखाराम भुमकर, अमोल सालुंखे, होनाजी मेस्त्री, श्रीमती अमृता सावे, श्रीमती रूपा बुरकुल, बिजेंद्र कुमार, अक्षय ठाकुर एवं अन्य सहकर्मी भी उत्साहपूर्वक सहभागी बने। सभी ने इस अनुभव को अत्यंत प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद बताया। विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित की यह पहल निश्चित ही छात्रों के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे उनमें शिक्षा, लोकतंत्र और नेतृत्व के प्रति नई सोच और ऊर्जा का संचार हुआ है।

नवविवाहिता की ट्रेन के सामने कूद कर मौत

मीरगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के रेलवे स्टेशन जंघई जंक्शन के पश्चिम प्रयागराज रेल मार्ग पर स्थित सेमरी भोगीपुर गांव के समीप आज दोपहर सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन के आगे छलांग लगाकर एक नवविवाहिता ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। हादसे के कारण दुर्ग से छपरा जा रही सारनाथ एक्सप्रेस ट्रेन करीब 20 मिनट प्रभावित हुई। सूचना पर पहुंची आरपीएफ व जीआरपी ने शव ट्रैक से हटवाने के बाद ही रेलवे द्वारा एक्सप्रेस को गंतव्य के लिए रवाना किया। बरसठी थाना क्षेत्र के दाउदपुर गांव निवासी ओमप्रकाश यादव की पुत्री ऋतु उम्र करीब 23 वर्ष बुधवार की सुबह स्वजन खेत में काम करने गए हुए थे। इसी दौरान वह घर से निकल कर किसी तरह सेमरी भोगीपुर पाल बस्ती के बगल से गुजरी रेलवे लाइन की समीप पहुंच गई। आस-पास के लोगों के अनुसार इसी दौरान दुर्ग से छपरा जा रही सारनाथ एक्सप्रेस को आता देख उसने उसके सामने छलांग लगा दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। शव बीच ट्रैक पर पड़ा होने के कारण चालक को ट्रेन रोकनी पड़ी। ट्रेन चालक ने एसएम जंघई कोमल सिंह को दिया। एसएम की सूचना पर पहुंची आरपीएफ व जीआरपी पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को किनारे कराया। तब जाकर करीब 20 मिनट बाद ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना की गई। वहीं मृतका का शव कब्जे में लेकर पुलिस ने सोशल मीडिया से शिनाख्त कराने का प्रयास किया। कुछ देर बाद उसकी पहचान ऋतु यादव पुत्री ओमप्रकाश यादव के रूप में हुई। पुलिस ने शव को आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना की बदौलत कोई और ट्रेन प्रभावित नहीं हुई है। स्वजनों के अनुसार मृतका की शादी, 4 जून को रामपुर कला गांव निवासी पंकज कुमार यादव के साथ हुई थी। वह दिन में अपने मायके से 11 बजे निकली थी। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पहचान कराई गई। किशोरी ने क्यों आत्महत्या किया इस सबके बारे में पीएम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई करेगी।

वाराणसीः सावन माह में इन इलाकों में रूट डायवर्जन

11 जुलाई से 9 अगस्त तक नया प्लान लागू, हर सप्ताह 72 घंटे तक रहेगा नो व्हीकल जोन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। सावन माह में दर्शनार्थियों और कावंड़ियों की भीड़ को देखते हुए वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने जारी की है नई ट्रैफिक एडवाइजरी,11 जुलाई से 9 अगस्त तक शहर के सात रूट पर हफ्ते में 72 घंटे का घोषित किया गया है नो व्हीकल जोन, बाहरी वाहनों की शहर में इंट्री प्रतिबंधित रहेगी, छह रूटों पर ऑटो, ई-रिक्शा को वैकल्पिक मार्ग से गुजरना होगा।

वाराणसी डीसीपी यातायात के अनुसार चांदपुर चौराहे से मोहनसराय तक शनिवार की रात 8 बजे से मंगलवार की सुबह 8 बजे किसी भी वाहन का संचालन नहीं होगा। सामान्य दिनों में अन्य वाहन आवाजाही कर सकेंगे।एडीसीपी ट्रैफिक के अनुसार कांवरियों से सम्बन्धित वाहनों पर भी उक्त डायवर्जन एवं प्रतिबंध लागू होंगे। कांवर लेकर सिर्फ पैदल चलने वाले या हाथ ठेला ट्राली लेकर चलने वाले कांवरियों को उक्त प्रतिबंध से छूट होगी। वाराणसी शहर में आने वाले यातायात का संचालन सुगमता से किया जाएगा।

यह नो व्हीकल जोन रूट, बेनिया से रामापुरा से खारी कुंआ से जंगमबाड़ी से गोदौलिया, गुरुबाग तिराहा से लक्सा से रामापुर, मैदागिन से गौदोलिया, पियरी चौकी से बेनिया तिराहा, ब्राडवे से अग्रवाल, सोनारपुरा से मदनपुरा-गोदौलिया तक सुजाबाद से भदऊचुंगी से विशेश्वरगंज से मैदागिन तक, लंका से सामने घाट तक।

इन मार्गों पर प्रत्येक शनिवार की सुबह 8 बजे से मंगलवार की सुबह 8 बजे तक नो व्हीकल जोन रहेगा। डीसीपी यातायात ने बताया कि सभी बाहरी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। गाजीपुर मऊ से वाया वाराणसी नगर होकर चंदौली सोनभद्र, मिजार्पुर एवं प्रयागराज को जाने वाले चार पहिया वाहन- संदहा से बाएं रिंगरोड होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। बड़े वाहन संदहा से दाहिने मुड़कर हरहुआ से रखौना ओवरब्रिज से होकर जाएंगे।

आजमगढ़ से वाया वाराणसी होकर चंदौली, सोनभद्र, मिजार्पुर व प्रयागराज को जाने वाले चार पहिया वाहन आजमगढ़ अंडरपास (बावन बीघा) से बायें रिंगरोड होकर अपने गंतव्य को जाएंगे। बड़े वाहन हरहुआ से रखौना ओवरब्रिज होकर जाएंगे जौनपुर से वाया वाराणसी होकर चंदौली सोनभद्र, मिजार्पुर व प्रयागराज को जाने वाले चार पहिया वाहन रिंगरोड से बाएं होकर अपने गंतव्य को जायेंगे।

गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर से वाया वाराणसी होकर भदोही जाने वाले सभी वाहन रिंगरोड होकर हरहुआ परमपुर अंडरपास से कपसेठी चौराहा से अपने गंतव्य को जाएंगे। चंदौली, सोनभद्र एवं मिजार्पुर से वाया वाराणसी होकर गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर को जाने वाले वाहन रिंगरोड होकर हरहुआ, परमपुर अंडरपास से कपसेठी चौराहा से अपने गंतव्य को जाएंगे। प्रयागराज से वाया वाराणसी होकर गाजीपुर मऊ आजमगढ़ जौनपुर को जाने वाले सभी वाहन नेशनल हाइवे 2 से रखौना अंडरपास से रिंग रोड के माध्यम से अपने गंतव्य को जाएंगे। भदोही से वाया वाराणसी नगर होकर गाजीपुर मऊ, आजमगढ़, जौनपुर को जाने वाले सभी वाहन परमपुर अंडरपास से रिंग रोड के माध्यम से अपने गंतव्य को जाएंगे।

वाराणसी जिले में स्थानीय वाहनों का रूट डायवर्जन, जौनपुर के चंदवक और चोलापुर के मध्य में आने वाले वाहनों को जौनपुर, लखनऊ एवं प्रयागराज की तरफ चंदवक चौराहे की तरफ डायवर्ट कर दिया जायेगा एवं कतिपय छूटे हुए वाहनों को गोसाईपुर, मोहांव बौराहे डायवर्ट कर बाबतपुर होकर जौनपुर भेज दिया जायेगा।

गाजीपुर से वाराणसी होकर जौनपुर लखनऊ एवं प्रयागराज जाने वाले वाहन चौबेपुर स्थित चौराहे से मुनारी की तरफ डायवर्ट कर कटहलगंज से मोहाव चौराहा से चोलापुर से जौनपुर की तरफ भेजा जायेगा। चन्दौली से टेंगरा मोड़ के बीच भारी वाहनों को प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर की तरफ जाना है, उन्हें टेंगरा मोड़ से डायवर्ट करते हुये नारायनपुर, चुनार, मिजार्पुर, नैनी होते हुए भेजा जायेगा। जौनपुर की तरफ डायवर्जन के बाद कोई भारी वाहन वाराणसी से बाबतपुर जाएगा तो उसे पलहीपट्टी गोसाईपुर होते हुए मोहाव चन्दवक, औड़िहार होकर भेजा जायेगा।

रोडवेज व प्राइवेट बसों/सवारी वाहनों का डायवर्जन प्लान, प्रयागराज और मिजार्पुर की तरफ से वाराणसी में आने वाले रोडवेज प्राइवेट बसों को मोहनसराय से गंगापुर होकर भेजा जाएगा। क्षेत्र से बाहर जाने वाले वाहन चांदपुर चौराहा से कपसेठी, भदोही, औराई अथवा कध्यारोड होकर जायेंगे। सोनभद्र तथा चंदौली से वाराणसी में आने वाले रोडवेज प्राइवेट बसों को मोहनसराय से गंगापुर होकर जाएंगे और इसी मार्ग से वापस जायेंगे। गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर से आने वाले रोडवेज बसों को हरहुआ से गिलट बाजार से शिवपुर चुंगी फुलवरिया होकर भेजा जाएगा। फिर इसी मार्ग से वापस जायेंगे। प्रयागराज से वाराणसी आने वाले हल्के सवारी वाहन दाहिनी लेन पर चलते हुए कछवारोड, राजातालाब, मोहनसराय से चितईपुर चौराहा, भिखारीपुर, मंडुवाडीह रेलवे स्टेशन के सामने तक जा सकेंगे। इसी लेन से वापस भी जायेंगे। जौनपुर से आने वाली रोडवेज बसें बाबतपुर, हरहुआ, से वरूणा पुल पार करके मिंट हाउस तिराहे से दाहिने पार्किंग स्थल कटिंग मेमोरियल स्कूल तक जाएंगे। इसी मार्ग से वापस जायेंगे।

आटो एवं ई-रिक्शा के लिए प्रस्तावित ऑप्शनल रूट

गोलगड्डा तिराहा से लकड़ीमंडी होकर से सम्पूर्णानन्द से अमर उजाला से लहुराबीर से कबीरचौरा से मैदागिन से विशेश्वरगंज से गोलगड्?डा तिराहा से पुनः चौकाघाटा आएंगे। लहुराबीर से जयसिंह चौराहा से मलदहिया चौराहा से साजन से सिगना से रथयात्रा से महमूरगंज मंडुवाडीह चौराहा से भिखारीपुर से सुन्दरपुर से नरिया से मालवीय चौराहा से लंका तक जाएंगे। लंका से नरिया से सुन्दरपुर से भिखारीपुर तिराहा से इछह से लहरतारा होकर कैंट रेलवे स्टेशन तक आएगे और यही से वापसी होगी। लंका से नरिया से सुंदरपुर से भिखारीपुर तिराहा से लहरतारा आकर वापस जाएंगे। अंध्रापुल से नदेसर मिंट हाउस से अंबेडकर चौराहा से भोजूबीर से गिलट बाजार तक। चौकाघाट से ताडीखाना से मकबूल आलम रोड से खजुरी तिराहे से दाहिने पाण्डेयपुर तक।

उर्वशी सिँह को विश्व हिन्दू रक्षा परिषद की प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया

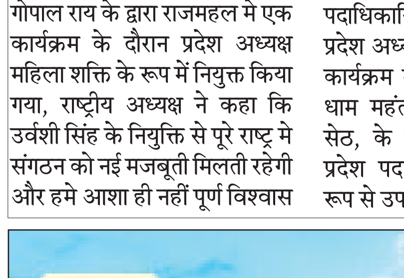

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सामाजिक क्षेत्र के साथ हिन्दू धर्म में विशेष सक्रिय रूप से कार्य करने वाली संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष उर्वशी सिंह को विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के द्वारा राजमहल मे एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष महिला शक्ति के रूप में नियुक्त किया गया, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उर्वशी सिंह के नियुक्ति से पूरे राष्ट्र मे संगठन को नई मजबूती मिलती रहेगी और हमे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि संगठन के हित के लिए अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठां और इमानदारी से करेंगी और हिन्दू राष्ट्र के साथ साथ सनातन धर्म और महिलाओं और बुजुर्गों के सम्मान में हमेशा तत्पर रहेगी। पूरे राष्ट्र मे सभी सामाजिक मुद्दों पर कार्य करेगी और संगठन का विस्तार करके जल्द से जल्द पुरी कार्यकारिणी का विस्तार करेंगी एवं हिन्दुत्व और संगठन के उत्थान के लिए कार्य करेंगी। सभी संगठन के पदाधिकारियों ने उर्वशी सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से चौकियां धाम महंत विनय त्रिपाठी, विनीत सेठ, के साथ अन्य राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट को लेकर युवक को मारा चाकू,हालत गंभीर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला रिजवी खां में देर रात मामूली विवाद को लेकर एक युवक को चाकू मार दिया गया। दूसरे को ईंट पत्थर से मारकर घायल किया गया है। चाकू से घायल युवक को ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि घटना बुधवार की देर रात लगभग 11:00 की है। इसी रिजवी खां मोहल्ला निवासी दबीर हुसैन उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्र वसी हुसैन और उसके साथ रहे रमजान 21 वर्ष पुत्र मोहम्मद गुफरान निवासी हरलालका रोड़ दोनों कहीं साथ में जा रहे थे। उसी समय कुछ युवकों से कहा सुनी हो गई। सूत्र बताते हैं कि जिस युवकों से कहासुनी हुई थी उसमें से एक ने दो दिन पूर्व एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था।उसी बात को लेकर विवाद हुआ और एक ने चाकू निकाल कर दबीर हुसैन को चाकू मार दिया। दबीर के साथ रहे दूसरे युवक को ईंट पत्थर से मारकर युवक फरार हो गए। घटना के कुछ देर बाद परिवार के लोग भी पहुंच गए। परिजन दोनों घायलों को लेकर कोतवाली गए। पुलिस ने दोनों घायलों को चिकित्सकिया उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। चिकित्सक ने दबीर हुसैन को गंभीर चोट लगने के कारण बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है। इस संबंध में अभी तक किसी के भी खिलाफ कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

हिंदी राष्ट्रभाषा ही नहीं देश को एक सूत्र में बांधने की कार्य करती है: के के मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी राष्ट्रभाषा ही नहीं पुरे देश को एक सूत्र में बांधने की कार्य करती है। भाषा न केवल विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का एक साधन है , बल्कि यह संस्कार और सामाजिक संबंध और ज्ञान के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुंबई स्थित वडाला पश्चिम के समाजसेवी व ओडिसी कोआपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के चेयरमैन, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संरक्षक के के मिश्रा बच्चन ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि हम जिस प्रदेश में रहते हैं उस प्रदेश की भाषा सिखनी चाहिए। क्योंकि इससे हमें वहां की संस्कृति और इतिहास को जानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ में सामाजिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। के के मिश्रा बच्चन ने कहा कि भाषा प्रेम , सद्भावना और भाईचारे की सर्वोच्च होती है। मुंबई में चल रहे भाषाई विवाद को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि भाषा को हथियार के रूप में उपयोग करना देश के हित में नहीं है। महाराष्ट्र वीरों और संतो की भूमि रही है। महाराष्ट्र की भूमि से पुरे देश में राष्ट्रीय और आध्यात्मिक जागरण का संदेश गया है। पुरा देश मुगलों को भगाने का कार्य किया था। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है का नारा देने वाले लोकमान्य तिलक और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना करने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज ने पुरे देश को संगठित कर के एक सूत्र में बांधे और उनके विचारों को लेकर महाराष्ट्र के लोगों को चलना चाहिए और भाषा विवाद पर पूर्ण विराम लगाना चाहिए। और हिंदूओं को एक सूत्र में बांधने का कार्य करना चाहिए। मेरे ख्याल में सभी भाषाओं का देश में हो सम्मान।

डिपॉजिटरीज संस्थाएं प्रॉक्सी एडवाइजर वोटिंग सुविधा के जरिए शेयरधारकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एकजुट हुई

मुंबई। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ने अपने निवेशक ऐप्स में एक नई सुविधा शुरू करने की घोषणा की है, जिसके तहत खुदरा शेयरधारक अब ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से कंपनी प्रस्तावों पर मतदान करते समय प्रॉक्सी एडवाइजर की सिफारिशें देख सकेंगे। इस नई सुविधा का औपचारिक शुभारंभ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष तुहिन कांता पांडेय द्वारा किया गया। यह अपडेट SEBI के खुदरा निवेशकों की कॉरपोरेट गवर्नेंस में भागीदारी को बढ़ाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है, जो व्यक्तिगत निवेशकों के लिए अधिक पारदर्शिता और सोच समझ कर निर्णय लेने की सुविधा लेकर आता है। यह सुविधा NSDL के SPEED-e ऐप/वेब पोर्टल और CDSL द्वारा पेश किए गए MyEÔsi ऐप में उपलब्ध है। इसका उद्देश्य शेयरधारकों के लिए जानकारी को अधिक सुलभ और समान रूप से उपलब्ध कराना है।

गुरु पूर्णिमा पर हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

चिराना। गुरु पूर्णिमा पर्व पर डॉ राजेंद्र कुमावत ने अपने परिवार के साथ अपने ही निज फार्म हाउस में कई फलदार एवं फूलों वाले पौधे लगाकर हरियालो राजस्थान की मुहिम को बढ़ाया है ।उन्होंने कहा की यही मौसम पेड़ पौधों के लिए उपयोगी होता है और इस बारिश ऋतु में फल फूल वाले पेड़ पौधे पनप जाते हैं,धरा को यदि बचाना है तो निश्चित ही हरेक को एक पेड़ मां के नाम की मुहिम में शामिल होकर लगाना चाहिए ।सब जानते हैं, पेड़ हमें शीतल छाया देता है और खुशियां देने का अंदाज इसका अलग है। जमीं को यदि बचाना है तो पौधा जरूर लगाना है और यही जीवन का मूलमंत्र है ये जानकर एक मनुष्य को एक पेड़ लगाने का संकल्प जरूर लेना चाहिए और अपनी धरती मां का अनमोल श्रृंगार करना है,पेड़ की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है, पेड़ लगाना हमारे संस्कार में रहा है व पेड़ लगा कर धरा को बचाना है ,पर्यावरण की सुरक्षा का प्रथम आयाम यही है। लिहाजा सबका लक्ष्य पेड़ लगाने से ही पूरा होगा अगर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती रही और लगाने की मुहिम कमजोर पड़ गई तो सच माननीय एक दिन सांस लेना भी इस जीवन में मुश्किल हो जाएगा। पौधारोपण कार्यक्रम में बेटा चेतन कुमावत, फतेहचंद भतीजा,मनीष कुमावत,नेमीचंद, अभिषेक और पिंकू ने सहयोग किया।

बोरीवली में प्रोफेशनल बिजनेस सेमिनार का आयोजन हुआ

बोरीवली, मुंबई। बोरीवली पुर्व स्थित श्री लोहार सुतार हॉल में प्रोफेशनल बिजनेस सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिती दर्ज कराते हुए सेमिनार में आये गणमान्य नागरिकों को संबोधित किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ शूट स्पेस डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के प्रबंध निदेशक उत्पल पटेल, सेमिनार के आयोजक हसमुख मकवाना और जितेंद्र भाई मकवाना सहित अनेक प्रतिष्ठित मान्यवर तथा व्यापारी गण उपस्थित थे।

स्क्रीन अकैडमी का शुभारंभ: भारतीय सिनेमा के उभरते सितारों को तराशने का शानदार मंच

मुंबई। इंडियन एक्सप्रेस समूह और स्क्रीन ने बुधवार को एक अग्रणी गैर-लाभकारी पहल, स्क्रीन अकैडमी जो भारतीय सिनेमा के उभरती प्रतिभाओं की मदद करेगी और उन्हें अपनी कृतियों का प्रदर्शन करने का मौका देगी।

कान और ऑस्कर विजेता, गुनीत मोंगा, पायल कपाड़िया और रेसुल पूकुट्टी, और अनुभवी पटकथा लेखक, अंजुम राजाबली सहित विभिन्न किस्म के सदस्यों की रोमांचक और तेजी से बढ़ती सूची के साथ, यह अकैडमी भारत के शीर्ष फिल्म संस्थानों के साथ मिलकर, शिक्षा, प्रतिनिधित्व और मान्यता के जरिये फिल्म निमार्ताओं की अगली पीढ़ी की पहचान करेगी और उन्हें मदद करेगी। लोढ़ा फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक, अभिषेक लोढ़ा के उदार सहयोग से स्थापित, स्क्रीन अकैडमी अपने फिल्म संस्थानों द्वारा नामांकित उन छात्रों को सालाना स्नातकोत्तर फेलोशिप प्रदान करेगी, जिनमें असाधारण कहानी कहने की क्षमता है, लेकिन औपचारिक फिल्म शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि समय और स्थान इससे अधिक प्रासंगिक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, फिल्म उद्योग का मुंबई से अभिन्न रिश्ता है। मुझे इंडियन एक्सप्रेस समूह की ओर से गैर-लाभकारी स्क्रीन अकैडमी की स्थापना के बारे में जानकर बहुत खुशी हो रही है... मुझे विश्वास है कि भारतीय फिल्म उद्योग को उन नई फिल्म निर्माण प्रतिभाओं से बहुत लाभ होगा जिन्हें यह अकैडमी मदद करना चाहती है। इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी निदेशक, अनंत गोयनका की अकैडमी के विचार को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहाः ११स्क्रीन अकैडमी मनोरंजन और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक साहसिक कदम है। हम एक ऐसा परितंत्र तैयार करेंगे जो न केवल उत्कृष्टता का पोषण करे, बल्कि वित्तीय सहायता और पहुंच दोनों के साथ विविध और होनहार प्रतिभाओं को सक्रिय रूप से मदद करे। अभिषेक लोढ़ा के लिए, अकैडमी का काम भारत की सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक शक्ति) और रचनात्मक कलाओं के लिहाज से वैश्विक स्तर पर अग्रणी के रूप में देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

बनारस में विद्युत कर्मियों का निजीकरण के खिलाफ एकजुट विरोध

-सुरेश गांधी

वाराणसी। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर गुरुवार को बनारस के समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता कार्यालयों पर एक साथ निजीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। शाम 5 बजे कार्यालय अवकाश के पश्चात बिजलीकर्मियों ने टैरिफ वृद्धि और निजीकरण की प्रक्रिया के विरुद्ध एकजुटता दिखाई। झूठे आंकड़े, धमकी और दमन से निजीकरण की कोशिश कामयाब नहीं होने दी जाएगी, यह स्पष्ट संदेश संघर्ष समिति की ओर से दिया गया। समिति ने घोषणा की है कि 11 जुलाई को वाराणसी में नियामक आयोग की सार्वजनिक सुनवाई के दौरान निजीकरण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा।

संघर्ष समिति का आरोप है कि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के टैरिफ में 45 फीसदी तक वृद्धि का प्रस्ताव पहले ही नियामक आयोग को भेजा जा चुका है। यह इशारा है कि निजीकरण के बाद

बिजली दरों में बेतहाशा वृद्धि निश्चित है। समिति के मुताबिक निगम को घाटे में दिखाने की जो कवायद की जा रही है, वह सरकारी सब्सिडी को ह्लकैश गैपह्न में शामिल कर एक कृत्रिम घाटा दशार्ने का प्रयास है। संघर्ष समिति ने बताया कि निजीकरण विरोधी आंदोलन को कुचलने के लिए : हजारों बिजलीकर्मियों का वेतन रोका गया है, कर्मचारियों को दूर-दराज क्षेत्रों में ट्रांसफर किया गया है, चेतावनी पत्र व विजिलेंस जांच के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है, 3 पदाधिकारियों पर थ्प्त् दर्ज की गई है और 3 और पर एफआईआर की तैयारी है। फिर भी समिति ने दो टूक कहा है कि हम डरने वाले नहीं, संघर्ष जारी रहेगा जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं लिया जाता।

इस अवसर पर मुख्य अभियंता कार्यालय, अधीक्षण अभियंता कार्यालय सहित सभी अधिशासी अभियंता कार्यालयों पर विरोध सभाएं हुईं। इन सभाओं को इंजीनियर मायाशंकर तिवारी, नीरज बिंद, दीपक गुप्ता, हेमंत श्रीवास्तव, राजेश सिंह, रोहित कुमार, रमेश यादव, जितेंद्र कुमार, धनपाल सिंह, उमेश यादव, अंकुर पांडेय, अमित कुमार, कृष्णमोहन, दयानंद आदि ने संबोधित किया. बता दें, इस मुद्दे को लेकर राज्य भर में बिजलीकर्मी लगातार 225वें दिन भी आंदोलित हैं। यह आंदोलन अब सिर्फ बिजलीकर्मियों का नहीं, बल्कि जनहित से जुड़ा एक बड़ा सवाल बन चुका है।

आंकड़ों में लाभ, फिर भी घाटे का प्रचार

वर्ष 2024-25 में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम को उपभोक्ताओं से 13,297 करोड़ रुपये की वसूली हुई। सरकारी विभागों पर 4,182 करोड़ रुपये बकाया है। इस प्रकार कुल राजस्व 17,479 करोड़ रुपये हुआ। यदि 6,327 करोड़ रुपये की सब्सिडी जोड़ी जाए, तो कुल आय 23,806 करोड़ रुपये हो जाती है। निगम का कुल खर्च 20,564 करोड़ रुपये बताया गया है। यानी, कुल मुनाफा 3,242 करोड़ रुपये बनता है। फिर भी निगम को घाटे में दिखाकर निजीकरण का रास्ता बनाया जा रहा है, संघर्ष समिति का यही मुख्य तर्क है।

बुनकरों, किसानों और गरीबों की सब्सिडी पर संकट

समिति ने आशंका जताई है कि निजीकरण के बाद किसानों, बुनकरों और गरीब घरेलू उपभोक्ताओं को दी जा रही सब्सिडी खत्म कर दी जाएगी, जिससे इन वर्गों पर आर्थिक बोझ और बढ़ेगा।

पुलिस स्थापना दिवस पर खोए हुए मोबाइल वापस किया गया

मुंबई। बुधवार को पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर घाटकोपर पुलिस स्टेशन द्वारा शिकायतकताओं का खोए, चोरी हुए मोबाइल फोन लौटाने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम हेतु पुलिस उपायुक्त राकेश ओला,परिमंडल 7, मुलुंड मुंबई, शैलेश पासलवार सहायक पुलिस आयुक्त,घाटकोपर संभाग मुंबई बलवंत देशमुख वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक घाटकोपर पुलिस स्टेशन, दीपाली कुलकर्णी पुलिस निरीक्षक (अपराध), वे उपस्थित थे।इस कार्यक्रम के दौरान मोबाइल चोरी निरोधक दस्ता पुलिस उपनिरीक्षक पांडुरंग सालुंखे,दीपक भारती,नीलेश पवार,अमोल सूर्यवंशी, अजय अहिरे, बालासाहेब गव्हाणे,रूपाली हडवाले,वे उपस्थित थे। वरिष्ठ के मार्गदर्शन में, उएक्फ्रपोर्टल से प्राप्त जानकारी के आधार पर, तथा तकनीकी एवं मानवीय कौशल का उपयोग करते हुए, उक्त मोबाइल फोन के उपयोगकताओं का निरंतर अनुसरण और पता लगाकर, कुल 19,41,700/- मूल्य के कुल 170 मोबाइल फोन मुंबई, गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न विदेशी राज्यों से बरामद किए गए और शिकायतकताओं को वितरित किए गए। घाटकोपर पुलिस स्टेशन की ओर से इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों, पत्रकारों और शिकायतकताओं को धन्यवाद दिया गया।

फंड्सइंडिया ने अक्षय सप्रू को ग्रुप सीईओ नियुक्त किया, नई दिशा की ओर कदम

मुंबई। फंड्सइंडिया, भारत के अग्रणी डिजिटल निवेश प्लेटफार्म में से एक, ने अक्षय सप्रू को अपने समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। नेतृत्व में यह परिवर्तन फंड्सइंडिया के लिए एक नए दौर की शुरूआत का प्रतीक है, क्योंकि कंपनी अब एक हर पहलू को कवर करने वाली वेल्थ मैनेजमेंट फर्म (फुल-स्पेक्ट्रम वेल्थ मैनेजमेंट फर्म) के रूप में विकसित हो रही है। बेंगलुरु मुख्यालय से कार्यभार संभालते हुए, अक्षय अब बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को रिपोर्ट करेंगे और कंपनी की रणनीतिक दिशा और सभी कारोबारी क्षेत्रों में विकास का नेतृत्व करेंगे। एक समय पर केवल डिजिटल निवेश मंच के रूप में शुरू हुई फंड्सइंडिया अब भारत के प्रमुख महानगरों में व्यापक रूप से सक्रिय है, और B2C (सीधे ग्राहकों से), B2B (व्यवसाय से व्यवसाय) तथा निजी संपत्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। फंड्सइंडिया को उसके प्रमुख निवेशक, वेस्टब्रिज कैपिटल का समर्थन प्राप्त है और इस नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए, संदीप सिंगल, मैनेजिंग पार्टनर, वेस्टब्रिज कैपिटल ने कहाः हमे फंड्सइंडिया के नए ग्रुप सीईओ के रूप में अक्षय का स्वागत कर-के बहुत खुशी हो रही हैं। उनका समृद्ध अनुभव और रणनीतिक सोच फंड्सइंडिया की विकास यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और पूरे भारत में ग्राहकों को बेहतर वैल्यू प्रदान करने में मदद करेगी। हमें विश्वास है कि अक्षय के नेतृत्व में कंपनी एक डिजिटल-आधारित, पूर्ण सेवा प्रदान करने वाली वेल्थ मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्रोवाइडर के रूप में सफलतापूर्वक आगे बढ़ेगी। नई भूमिका को लेकर अक्षय सप्रू ने कहाः फंड्सइंडिया की इस महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी यात्रा में नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं बोर्ड द्वारा मुझ पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं एक उत्साही एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीम के साथ कार्य करने के लिए तत्पर हूं, और हमारी मजबूत नींव पर आगे निर्माण करते हुए फंड्सइंडिया को डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट क्षेत्र में सर्वाधिक मूल्यवान और प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखता हूं। बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्र में 27 वर्षों से अधिक के मजबूत करियर के साथ, अक्षय सप्रू फंड्सइंडिया में विशेष क्षेत्रीय ज्ञान और बहुआयामी नेतृत्व क्षमताएं लेकर आए हैं। उनकी विशेषज्ञता में रिटेल बैंकिंग, अफ्लुएंट बैंकिंग, प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट, रणनीति निर्माण, बिक्री, ग्राहक सहभागिता और डिजिटल नवाचार जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं । फंड्सइंडिया से जुड़ने से पहले, अक्षय यस बैंक लिमिटेड में प्राइवेट बैंकिंग, स्पेक्ट्रम बैंकिंग और देयता उत्पादों के कंट्री हेड के रूप में कार्यरत थे।

बदलते मौसम में बढ़ रही है डिहाइड्रेशन की समस्या, डॉक्टरों ने जताई चिंता

मुंबई। दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में इन दिनों पारा 44 डिग्री से भी ऊपर पहुंच रहा है गर्मी के साथ धूल भरी आंधियां और कभी-कभार अचानक बारिश हो रही है। दूसरी तरफ, मुंबई और हैदराबाद जैसे शहर भारी मानसून और वायरल संक्रमण की चपेट में बढ़ रहे हैं। ऐसे में डॉक्टरों ने नजरअंदाज हो रहे साइलेंट डिहाइड्रेशन के बारे में चेतावनी दी थी. देशभर के डॉक्टर बता रहे हैं कि बुखार या वाइरल बीमारी से ठीक हो रहे कई मरीजों में थकान, मांसपेशियों में खिंचाव, भूख न लगना और ध्यान में कमी जैसे लक्षण बने रहते हैं। ये केवल बीमारी के बाद की थकावट नहीं हैं, बल्कि शरीर में जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स और ऊर्जा की कमी का संकेत हैं जिसे सिर्फ पानी पीकर ठीक नहीं किया जा सकता। डिहाइड्रेशन को अब तक ज्यादातर लोग दस्त से जोड़कर देखते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह शरीर से थकावट, बुखार, डेंगू, रेस्पिरेटरी या यूरिनरी ट्रेक्ट इंफेक्शन में भी हो सकता है झ जहां शरीर से नमक और ग्लूकोज भी साथ में निकल जाते हैं। इसका असर यह होता है कि शरीर जल्दी ठीक नहीं होता, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और कमजोरी बनी रहती है। डॉ. अब्दुल मजीद खान, वरिष्ठ फिजीशियन का कहना है अक्सर मरीज समझते हैं कि बुखार उतरने के बाद वे ठीक हो गए हैं, लेकिन फिर कुछ दिनों में थकावट और मानसिक सुस्ती लेकर वापस आते हैं। यह छिपी हुई डिहाइड्रेशन के लक्षण हैं, जो सिर्फ पानी से नहीं सुधरती। आज के मौसम में शुरूआत से ही पानी, नमक और ऊर्जा को संतुलित रखना जरूरी है। इसलिए अब डॉक्टर मरीजों को तरल, नमक व ऊर्जा आधारित चिकित्सा यानी ऐसे तैयार ड्रिंक्स देने की सलाह दे रहे हैं जिनमें इलेक्ट्रोलाइट्स (नमक व मिनरल्स) और ग्लूकोज संतुलित मात्रा में होते हैं। यह तरल जल्दी असर दिखाते हैं झ थकावट कम होती है और मरीज जल्द ठीक हो सकता है यदि यह चिकित्सा शुरूआत में ही दी जाए, तो जटिलताओं से बचा जा सकता है और बीमारी की अवधि भी कम हो सकती है। डॉ. मनोज चावला, मधुमेह विशेषज्ञ बताते हैं, डिहाइड्रेशन केवल दस्त से नहीं होता। वायरल या बुखार में भी शरीर में पानी, नमक और ऊर्जा की कमी हो सकती है, भले ही कोई सीधा लक्षण न दिखे।

शिक्षा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान भी होना आज के युग की आवश्यकता है : संजय उपाध्याय

मुंबई। आपके लिए जितना जरूरी है कि आपके बच्चे मंदिर जाएं, उतना ही जरूरी है कि उन्हें अपने धर्म और अपनी संस्कृति की जानकारी हो। यही कार्य श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ अब तक करता आया है। शिक्षा के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान भी होना आज के युग की आवश्यकता है, ऐसे विचार भाजपा के उत्तर मुंबई के विधायक संजय उपाध्याय ने आज मुंबई में व्यक्त किए। श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से वर्ष 2025 में कक्षा 1 से 36 तक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित धार्मिक परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए। इस परीक्षा में उत्तीर्ण हुए 109 विद्यार्थियों का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से शानदार तरीके से सम्मान किया गया। मुंबई में मलाड पूर्व में स्थित स्वामी नारायण मंदिर के सभागृह में आयोजित इस समारोह में वे प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपाध्यक्ष संजयभाई जीवनलाल शाह ने इस अवसर पर कहा कि यदि 5 वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों को विदेशी भाषा, संस्कृत

भाषा, हिंदी और मराठी भाषा के साथ-साथ धार्मिक शिक्षा नई तकनीक के माध्यम से दी जाए, तो उनके सर्वांगीण विकास को अवश्य ही प्रेरणा मिलेगी। संस्कृत भाषा, विदेशी भाषा और अंग्रेजी भाषा के साथ धार्मिक शिक्षा की नई तकनीक के माध्यम से 50,000 से अधिक बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने का हमारा उद्देश्य है। धार्मिक शिक्षा की इस नई तकनीक से भारत ही नहीं, बल्कि उन देशों में भी लाभ पहुंचेगा जहाँ जैन बच्चे रहते हैं। बच्चों में संस्कारों की शुरूआत का पहला चरण होता है झ पाठशाला। जैन शासन का प्राण ही है झ पाठशाला। इन पाठशालाओं से जो विद्यार्थी निकलते हैं, वे भविष्य में जैन शासन के साधु-साध्वी, सुश्रावक-सुश्राविका, ट्रस्टी, स्वयंसेवक और रक्षक बनते हैं। वर्तमान समय में बच्चों को धार्मिक शिक्षा देना संस्था की प्राथमिकता है। यदि बच्चों में धार्मिक संस्कार होंगे, तो उनका निश्चित रूप से विकास होगा, इसके लिए संस्था सतत प्रयासरत है। जैन धर्म के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य ये बच्चे बड़े होकर करेंगे। यह पाठशाला जैन धार्मिक शिक्षा के प्रचार और समाजसेवा में संस्था के बढ़ते योगदान का प्रतीक है।

श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के ट्रस्टी अशोक नरसिंह चरला ने बताया कि मुंबई की 450 से अधिक स्कूलों में 1300 से अधिक शिक्षक योगदान दे रहे हैं। आज मुंबई की स्कूलों में 50,000 से अधिक बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर गच्छाधिपती परम पूज्य आचार्य भगवंत राजेंद्र सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत मुक्ति वल्लभ सुरीश्वरजी महाराज, परमपूज्य आचार्य भगवंत धर्म यश सुरीश्वरजी महाराज, जवाहरलाल मोतीलाल शाह, सुरेशभाई देवचंद संघवी, संजयभाई शाह, अशोक नरसिंह चरला, श्रीमती उषाबेन हेमेन्द्र दोशी, श्रीमती अल्पाबेन संजयभाई शाह, विमलेशभाई और किरीटभाई फोपाणी ने भी अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। इस समारोह में अनेक गणमान्य अतिथियों और विभिन्न संस्थाओं के ट्रस्टीज का श्री धार्मिक शिक्षण संघ की ओर से सम्मान किया गया।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत निशुल्क प्रशिक्षण एवं टूल किट का करें लाभ प्राप्त

बलरामनुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर उपायुक्त उद्योग अखिलेश सिंह ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पारम्परिक कारीगर जैसे बढ़ई. दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री, धोबी एवं हस्तशिल्पियों के आजीविका के साधनों का सुदृढ़ीकरण करते हुए उनके जीवन स्तर को उन्नत किया जा रहा है। योजनान्तर्गत आच्छादित पात्र पारंपरिक कारीगरों एवं दस्तकारों को कौशल वृद्धि हेतु 10 दिवसीय निःशुल्क एवं आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। सफल प्रशिक्षण उपरांत ट्रेड से सम्बंधित, आधुनिकतम तकनीकी पर आधारित उन्नत किस्म की टूल किट वितरित की जाएगी एवं प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण (डी०वी०टी०) के माध्यम से प्रति प्रशिक्षार्थी को रू0 4000/- की धनराशि मानदेय के रूप में दी जायेगी। जनपद बलरामपुर को वित्तीय वर्ष 2025-26 में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत विभिन्न ट्रेड जैसे-बढ़ई, नाई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, राजमिस्त्री, हलवाई, मोची एवं धोबी हेतु भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उपरोक्त के सम्बन्ध में सूचित किया जाता है कि उक्त योजनान्तर्गत दर्जी, बढ़ई, कुम्हार, लोहार, राजमिस्त्री एवं धोबी ट्रेड में पात्र अभ्यर्थियों के चयन हेतु साक्षात्कार की तिथि कमशः दिनांक-14.07.2025 एवं 15.07.2025 को समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 2:00 बजे के मध्य व स्थान-कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, उतरौला रोड़, धर्मपुर, बलरामपुर में निर्धारित किया गया है। सभी इच्छुक अभ्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने हेतु उक्त निर्धारित साक्षात्कार की तिथि, स्थान व समय पर अपने मूल दस्तावेजो सहित अपनी उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करें।

प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि की गई विस्तारित

बलरामपुर। प्रिंसिपल आईटीआई द्वारा बताया गया है कि प्रदेश के राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण सत्र-2025 हेतु निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया 2025 के अनुसार प्रथम चरण चयन परिणाम से प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि 08-07-2025 तक निर्धारित थी, को जनहित में पुनरीक्षित कर प्रवेश की अन्तिम तिथि 11-07-2025 रात्रि 12.00 बजे तक विस्तारित की जाती है। अतः प्रथम चरण चयन परिणाम के चयनित ऐसे अभ्यर्थी जिनके द्वारा निर्धारित समयावधि में प्रवेश नहीं लिया गया है, वे अभ्यर्थी अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों, अंकपत्रों एवं उनकी एक-एक प्रमाणित प्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ सम्बन्धित चयनित राजकीय / निजी संस्थान के प्रधानाचार्य से सम्पर्क करके संस्थान में उपलब्ध चयन लिस्ट से जाँच करवाने के उपरान्त अपना प्रवेश ले लें।

गुरु भगवंत वो प्रसाद जिसे मिले वह सौभाग्य शाली, जीवन में जागरण और आचरण देते हैं गुरु

वाराणसी. काशी में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा की अनुपम छटा देखने को मिली। सूर्योदय से पहले ही भक्तगण अपने-अपने गुरुजनों की शरण में पहुंचना आरंभ कर चुके थे। शहर से लेकर गांव-देहात तक मठ, मंदिर, आश्रम और गुरुकुलों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने गुरुओं की पादुका पूजन, आरती, माल्यार्पण, तिलक व दक्षिणा अर्पण कर जीवन के पथ पर ज्ञान और विवेक का आशीर्वाद लिया।

समाज में आदि काल से ही गुरु की महत्ता रही है। तब से ही हम गुरु की पूजा करते चले आ रहे है। गुरु के बिना ज्ञान पाना संभव नहीं है। इस पर्व पर विभिन्न संस्थाओं ने अपने-अपने तरीके से गुरुओं को सम्मान दिया। किसी ने गुरु को सम्मानित कर अपने धर्म का पालन किया, तो किसी ने पौधा लगाया। शहर से लेकर देहात तक पूरे दिन पूर्णिमा की धूम रही। फिरहाल, धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में पूर्णिमा का दिन गुरुजनों, संतो व स्वामियों के नाम रहा।

गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर गुरुवार को शहर से लेकर देहात तक भक्ति और श्रद्धा की लहर दौड़ पड़ी।

श्रद्धालुओं ने अपने-अपने गुरुओं का पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। देवालयों, विद्यालयों से लेकर संत आश्रमों तक शिष्य अपने गुरुओं के पांव पखार उनकी पूजा कर आरती उतारी। जगह-जगह गुरु-शिष्य परंपरा पर आधारित गीत-संगीत के अलावा ह्लगुरु देवेभ्यो नमःह्न ह्लतस्मै श्री गुरुवे नमःह्न आदि मंत्रोच्चार व जयकारों के बीच जाने-माने संतों व आचार्यों के आश्रमों में गुरु पूजा की धूम रही। पूजा, वंदना, सम्मान और दीक्षा संस्कार का सिलसिला शाम तक चलता रहा। इसके बाद शीश नवाकर आशीर्वाद लिया।

गढ़वाघाट व सतुआ बाबा आश्रम में उमड़ा जनसैलाब

गढ़वाघाट स्थित संतमत पीठ पर गुरु स्वामी सरनानंद जी महाराज के दर्शन हेतु सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा। पूरा आश्रम क्षेत्र भक्ति, अनुशासन और अध्यात्म से सराबोर रहा। भक्तों ने उनके श्रीचरणों में वंदन कर पादुका पूजन किया। भजनों की मधुर ध्वनि और मंत्रोच्चार से आश्रम गूंज उठा। शिष्यों ने अपने सद्गुरु से ज्ञान और धर्म का आशीर्वाद लिया। स्वामी सरनानंद ने अपने प्रवचन में कहा, ह्लगुरु वो भगवंत प्रसाद हैं, जो मिल जाएं तो जीवन धन्य हो जाए। गुरु ही जागरण और आचरण के माध्यम बनते हैं।ह्व मणिकर्णिकाघाट स्थिय सतुआ बाबा आश्रम में सतुआबाबा रणछोड़ दास व षष्ठपीठाधीश्वर यमुनाचार्य महाराज की चरण पादुका पूजन के बाद संतोष दास महाराज का भक्तों ने दर्शन किया। उनके दर्शन के लिए भक्त तड़के से कतार में लगे रहे। शिष्यों ने तुलसी माला पहनाकर फल-प्रसाद अर्पण किया और चरण वंदना की। आश्रम परिसर भजन, मंत्रोच्चारण और शंखध्वनि से गूंज उठा। श्रद्धालु ह्लगुरुर्ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु.. के जप में लीन होकर आत्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहे थे। महामंडलेश्वर संतोष दास ने कहा कि गुरु के द्वारा जीवन जीने का एक मार्ग मिलता है। शांति जिसको चाहिए वह सनातन धर्म में आएगा। जीवन में शांति, भाईचारा और परिवार में सुख शांति कैसे रखा जाए, यह सिर्फ सनातन धर्म ही सिखा सकता है।

काशी के अन्य मठों में भी छाया भक्ति का रंग

तुलसीघाट स्थित अखाड़ा गोस्वामी तुलसीदास में शिष्यों ने देव विग्रहों के साथ-साथ महंत प्रो. विश्वंभरनाथ मिश्र की पूजा कर गुरु परंपरा को नमन किया। पातालपुरी मठ के महंत बालक दास ने बताया, ह्लगुरु से ही जीवन जीने की दिशा मिलती है। सनातन धर्म ही वह पथ है जो शांति और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाता है।ह्व राम जानकी मठ, श्री विद्या मठ, धर्म संघ, अन्नपूर्णा मठ, अष्टदशभुजा मंदिर सहित सभी बड़े आश्रमों में दिन भर पूजा, भजन, प्रवचन और आरती का सिलसिला चलता रहा। बाबा कीनाराम स्थली क्रींकुंड शिवाला में सुबह आरती, श्रमदान के बाद अघोरेश्वर की समाधियों का पूजन का विधान किया गया। पड़ाव स्थित अवधूत भगवान राम आश्रम में पीठाधीश्वर गुरु पद संभव राम का पूजन अर्चन किया गया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इस बार सामाजिक समरसता का अद्भुत दृश्य भी देखने को मिला। पातालपुरी मठ में 151 मुस्लिम भाइयों ने महंत बालक दास से गुरु दीक्षा लेकर ह्लगुरु दक्षिणाह्व अर्पित की। सभी ने पूजा-अर्चना के बाद भंडारे का प्रसाद भी ग्रहण किया।

परंपरा का जीवंत उत्सव

काशी में गुरु पूर्णिमा मात्र एक पर्व नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा की जीवंत चेतना है। यह परंपरा आश्रमों, गुरुकुलों और साधु-संतों के सान्निध्य में आज भी उतनी ही प्राणवान है, जितनी सदियों पहले थी। हर युग में, हर काल में गुरु ही वह ज्योति रहे हैं, जिन्होंने अज्ञान के अंधकार को मिटाकर जीवन को धर्म, विवेक और श्रद्धा से प्रकाशित किया है। शहर के विद्यालयों, गुरुकुलों और सामाजिक संस्थानों में भी गुरुपूर्णिमा पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों का पूजन कर सम्मान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गुरु भक्ति पर आधारित गीतों और कविताओं की प्रस्तुति दी गई।

गुरु का स्थान परमात्मा से भी ऊपर झ स्वामी शरणानंद जी

अपने उद्बोधन में स्वामी शरणानंद जी महाराज ने गुरु की महत्ता पर गहराई से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा– ह्लगुरु केवल कोई व्यक्ति नहीं, वह एक चेतना है। वह अज्ञान को दूर कर आत्मज्ञान का प्रकाश देता है। ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग गुरु ही दिखाता है। जो व्यक्ति गुरु के प्रति श्रद्धावान है, वह कभी भी पतन की ओर नहीं जाता।ह्व उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि वे सच्चे गुरु की शरण लें और जीवन में संयम, सेवा और साधना को अपनाएं।

वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में भी गुरुपूर्णिमा को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। हरहुआ, चोलापुर, सेवापुरी, बड़ागांव, बड़ागल और राजातालाब क्षेत्र।